# पुराने नियम का सर्वेक्षण : भाग 1

## पुराना नियम क्यों पढ़ें?

➢ सामान्य मिथक
– पुराना नियम निरर्थक है
– पुराना नियम अप्रासंगिक है
– पुराना नियम असंगत है
– पुराना नियम समझ के बाहर है

➢ मुख्य सूचना
– पुराना नियम अमूल्य है

## हमें पुराना नियम कैसे पढ़ना चाहिये?

तीन परिमाणों का निरीक्षण

– साहित्यिक परिमाण
– एतिहासिक परिमाण
– आध्यात्मिक परिमाण

## पुराना नियम क्या है?

पुराना नियम साहित्य के रूप में

➢ 39 पुस्तकों का एक संग्रह है
– परंपरागत रूप से शैली के आधार पर वर्गीकृत
  - व्यवस्था (नियम)
  - इतिहास
  - भविष्यवाणी
  - काव्य
– साहित्यिक रूप में समृद्ध
  - ऐतिहासिक विवरण
  - व्यवस्था तथा नियम
  - भविष्यसूचक जानकारी
  - वंशावलियां
  - भजन (गीत)
  - विवेक कथन
  - विलाप
  - विनाशकारी आभास
  - कई और.....

➢ विविध प्रकार के लेखकों द्वारा लिखा गया।
– एक ईश्वरीय लेखक – पवित्र आत्मा
– विभिन्न मानवीय लेखक
– प्रमुख रूप से इब्रानी भाषा में लिखा गया, हालांकि कुछ अरामी भाषा में है

➢ करीब 1000 वर्षों की अवधि से अधिक समय में।
– प्रारंभिक भाग 1500 ई.पू. के आसपास लिखे गये

– आधिक से अधिक भाग 400 ई.पू. के आसपास लिखे गये
➢ हमें पुराना नियम किस प्रकार से प्राप्त हुआ?

– धर्मग्रन्थ के अन्तर्गत संग्रहित हुआ
– शास्त्रियों द्वारा संचारित हुआ
– सेवकों द्वारा अनुवादित हुआ

➢ सैप्तुाजिन्त –यूनानी भाषा का पुराना नियम।

## पुराने नियम की घटनाएँ कब तथा कहाँ हुईं

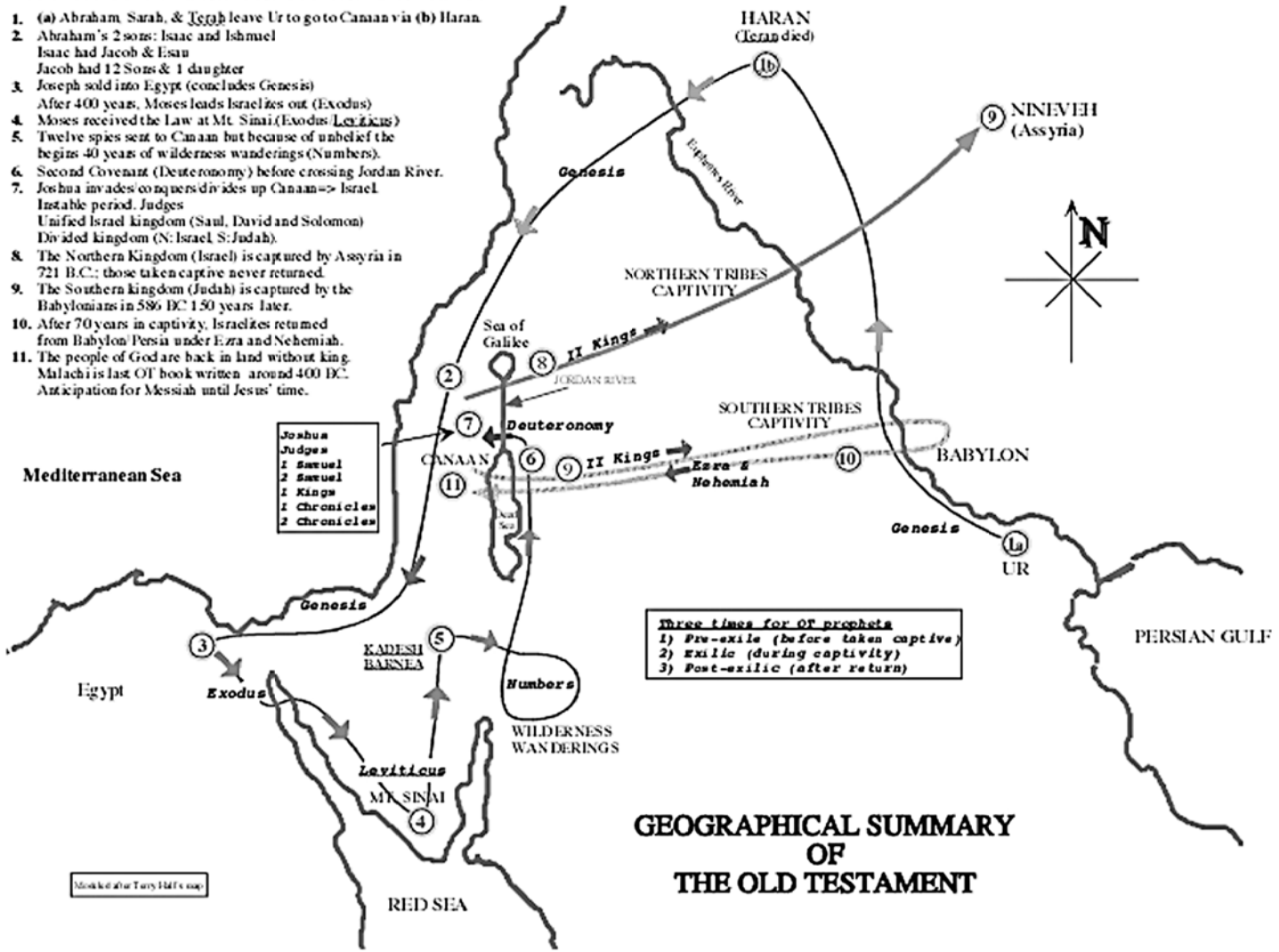
### इतिहास के रूप में पुराना नियम

➢ पुराना नियम वास्तविक इतिहास में रची एक वास्तविक कथा है।
– वास्तविक स्थान
– वास्तविक लोग
– वास्तविक समय

➢ पुराने नियम के इतिहास को सरल बनाया गया।
– आरम्भ में ... कुछ नहीं था, फिर कुछ हुआ
– सृष्टि... जीवन... प्राणी... मनुष्य –परमेश्वर के रूप में बनाया गया।
– अदन की वाटिका–शीघ्र ही मनुष्य के पतन का स्थान बन जाती है।
– कई पीढ़ियों तक मानवजाति भ्रष्ट होती है
– परमेश्वर संसार का न्याय जलप्रलय द्वारा करता है परन्तु वह एक धर्मी व्यक्ति – नूह तथा उसके परिवार को बचाता है।
– बाबुल के गुम्मट पर मानव जाति विद्रोह करती है – परिणाम–विभाजन तथा विर्जन होता है।
– एक नई शुरूआत ... इब्राहीम तथा उसके परिवार के प्रति परमेश्वर की निष्ठा।
– इब्राहीम की समृद्धि इस्राएल के दासत्व में बदल जाती है।
– निर्गमन – मूसा, इस्राएल को मिस्र से बाहर निकालता है।
– परमेश्वर इस्राएल को नियम देता है
– लोग प्रतिज्ञात प्रदेश में प्रवेश करते हैं जहाँ कुछ समय के लिये उन पर न्यायियों का शासन चलता है।
– अंततः एक राज्य स्थापित होता है जो राजा दाऊद तथा उसके पुत्र सुलैमान द्वारा चलाया जाता है।
– सुलैमान एक मन्दिर बनाता है जो वाचा के सन्दूक का स्थान तथा लोगों की आराधना का केन्द्र होता है।
– सुलैमान की मृत्यु के बाद, राज्य इस्राएल (उत्तरीय राज्य) तथा यहूदा (दक्षिणी राज्य) में विभाजित हो जाता है।
– मूर्तिपूजा अधिक हो जाती है
– 722 ई.पू. में असीरिया इस्राएल को नष्ट कर देता है।
– 597–586 ई.पू. में बेबीलोन यहूदा को नष्ट कर देता है।
– अगले 70 वर्षों के लिये जीवित बचे हुओं को बेबीलोन में निर्वासन में भेजा जाता है।
– कुछ शेष लोग यरूशलेम को लौटते हैं और पुनः मन्दिर की स्थापना करते हैं।
– परन्तु फिर भी, इस्राएल उस महिमा की लालसा करता है जो उसने राजा दाऊद के राज्यकाल में देखी थी।
– इस प्रकार से, पुराना नियम बिना समाप्ति की एक कहानी बन जाती है।

## SUMMARY OF OLD TESTAMENT EVENTS

1. (a) Abraham, Sarah, & Terah leave Ur to go to Canaan via (b) Haran.
2. Abraham's 2 sons: Isaac and Ishmael
   Isaac had Jacob & Esau
   Jacob had 12 Sons & 1 daughter
3. Joseph sold into Egypt (concludes Genesis)
   After 400 years, Moses leads Israelites out (Exodus)
4. Moses received the Law at Mt. Sinai (Exodus/Leviticus)
5. Twelve spies sent to Canaan but because of unbelief the begins 40 years of wilderness wanderings (Numbers).
6. Second Covenant (Deuteronomy) before crossing Jordan River.
7. Joshua invades/conquers/divides up Canaan=> Israel.
   Instable period: Judges
   Unified Israel kingdom (Saul, David and Solomon)
   Divided kingdom (N: Israel, S: Judah).
8. The Northern Kingdom (Israel) is captured by Assyria in 721 B.C.; those taken captive never returned.
9. The Southern kingdom (Judah) is captured by the Babylonians in 586 BC 150 years later.
10. After 70 years in captivity, Israelites returned from Babylon/Persia under Ezra and Nehemiah.
11. The people of God are back in land without king. Malachi is last OT book written around 400 BC. Anticipation for Messiah until Jesus' time.




## GEOGRAPHICAL SUMMARY OF THE OLD TESTAMENT


सीरिया
लेबनान
बग़दाद
ईराक़
इस्राइल
अम्मान
एर आर
जॉर्डन
सकाक़ा
कुवैत
ईरान
तबूक़
खफ़्जी
दूबा
हाइल
फारस
जुबैल
बहरीन
बुरायदा
दम्मन
की
हफुफ
दोहा
खाड़ी
दूबई
लाल
क़तर
मिस्र
यांबू
मदीना
रियाद
आबुधाबी
ओमान की खाड़ी
सागर
सं.अ.अमी.
मस्कट
सऊदी अरब
जेद्दाह
मक्का
तईफ़
सूडान
ओमान
अभा
जिज़ान
यमन
इरिट्रिया
खारतूम
असमारा
सनाया
अरब सागर
इथिओपिया
अदन
जिबूती
जिबूती
उत्तर
0
250
500
750
किलोमीटर
सोमालिया
आदिस अबाबा

## पुराने नियम का सामान्य विवरण

| व्यक्ति | समयावधि तथा घटनाएं | समकालीन संस्कृति | पुराने नियम की पुस्तकें |
|---|---|---|---|
| आदम | धर्म प्रधानों से पहले<br>सृष्टि<br>जलप्रलय | पूर्व ऐतिहासिक काल | |
| इब्राहीम, इसहाक,<br>याकूब, युसूफ | धर्म प्रधान<br>इब्राहीम का प्रदेश में<br>प्रवेश 2090 ई.पू.<br><br>युसुफ प्रधान पुरूष<br>1885–1805 ई.पू.<br><br>मिस्री डेरा<br>1875–1445 ई.पू. | पुरूष प्रधान विवरण<br>मिस्र तथा मेसोपोटामिया<br>की संस्कृति को<br>प्रतिबिम्बित करते हैं<br><br>मिस्र, इस्राएल को दास<br>बना लेता है | अय्यूब? |
| मूसा | निर्जन प्रदेश में भटकना<br>1445–1405 ई.पू. | | उत्पत्ति, निर्गमन,<br>लैव्यव्यवस्था, गिनती,<br>व्यवस्थाविवरण |
| यहोशू, दबोरा, गिदोन,<br>यिप्तह, शिमशोन | विजय तथा न्याय<br>1405–1050 ई.पू. | पलिश्तियों पर अधिकार,<br>कई राष्ट्र इस्राएल का<br>दमन करते हैं | यहोशू, न्यायियों |
| शमूएल, शाऊल,<br>दाऊद, सुलैमान | संगठित राजतंत्र<br>स्थापना 1050 ई.पू. | इस्राएल द्वारा आसपास<br>के देशों की हार | रूत, शमूएल,<br>भजन संहिता, श्रेष्ठगीत,<br>नीतिवचन, सभोपदेशक |
| विभाजित राजतंत्र<br>931–722, विभाजित 931 | | | |
| दक्षिणः<br>रहूबियाम | उत्तरः<br>यारोबाम I | अरामी राज्य<br>931–732 | |
| यहोशापात<br>उज्जियाह | आहाब<br>यारोबाम II | | ओबद्याह, योएल,<br>योना, आमोस, होशे,<br>यशायाह, मीका |
| हिजकिय्याह | | अराम का पतन 732<br>पलिश्तियों की<br>असीरियन संख्या<br>745–650 | नहूम, सपन्याह |
| योशिय्याह | सामरिया का पतन 722<br>खाली यहूदा 722–586 | | यिर्मयाह, विलापगीत,<br>हबक्कूक, राजा,<br>दानिय्येल, यहेजकेल |
| | दानिय्येल का बन्दी<br>बनाया जाना | | |
| | यहेजकेल का बन्दी<br>बनाया जाना | | |
| यिर्मयाह | यरूशलेम का पतन 586 | बेबीलोन की प्रधानता<br>625–539 | |
| जरुब्बाबेल<br>हाग्गै<br>ज़कर्याह | पुनःनिर्माण<br>536–400<br>दूसरा मन्दिर | मीडो–पारसी राज्य<br>539–331 | हाग्गै, ज़कर्याह |
| | एज्रा की वापसी 458 | | इतिहास, एज्रा, एस्तेर |
| मलाकी | नहेमायाह की वापसी 444 | | नहेमायाह, मलाकी |

# पुराने नियम की पुस्तकों का सामान्य विवरण

➢ तीन वर्ग
– परमेश्वर के लोगों की कहानी
पहली 17 पुस्तकें – उत्पत्ति से एस्तेर तक–(काफी हद तक काल के अनुसार)
– परमेश्वर के लोगों की रचनाएं
अगली 5 पुस्तकें – अय्यूब से श्रेष्ठगीत तक
– परमेश्वर के लोगों में से भविष्यवक्ता
अंतिम 17 पुस्तकें – यशायाह से मलाकी तक
➢ कार्य पद्धति
– प्रत्येक भाग का विवरण
– प्रत्येक पुस्तक का विवरण
  - आरम्भकों के लिये प्रारम्भिक सूचना
  - अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श
➢ परमेश्वर के लोगों के बारे में कहानी
– दो प्रधान श्रेणियों में विभाजन
व्यवस्था/पहली पाँच पुस्तकें पंचग्रन्थ – उत्पत्ति से व्यवस्थाविवरण
इतिहास –यहोशू से एस्तेर तक
– इन पुस्तकों का महत्वपूर्ण गुण विवरणात्मक है जो हमें परमेश्वर की कहानी बताता है – इस्राएल

## ➢ उत्पत्ति

आरम्भकों के लिये प्रारम्भिक सूचना
– मूसा व्यवस्था की पांच पुस्तकों का लेखक है
– उत्पत्ति का शाब्दिक अर्थ है 'आरम्भ'
– पतन से पहले – सृष्टि का आरम्भ
– पतन के बाद – अपनी सृष्टि को बचाने के लिये परमेश्वर की योजना का आरम्भ
अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श
– पहले 11 अध्याय शेष बाइबल के लिये नींव है
– प्रमुख मूल–विषय को पकड़े रहना
  - परमेश्वर की सामर्थ
  - मनुष्य का दुराचरण
  - उद्धार की प्रतिज्ञा
– प्रमुख कथानकों को पकड़ें – इब्राहीम के परिवार का परमेश्वर द्वारा चुनाव
  - इब्राहीम (12:1–25:18)
  - इसहाक (25:19–26:35)
  - याकूब (27:1–36:43)
  - यूसुफ (37:1–50:26)
➢ लघु उपकथानक
– पहले से ही यीशु मसीह की प्रतीक्षा कर रहे हैं (3:15, 22:7–14, 35:11–13, 49:8–12)
– आदम, नूह और इब्राहीम के साथ वाचाएं
– मुख्य पात्रों के प्रधान दोष
– मत भूलिये – कि उत्पत्ति की पुस्तक, इन घटनाओं के बारे में हमारे पूछे गये हर प्रश्न का उत्तर देने के लिये नहीं लिखी गई थी

## ➢ निर्गमन

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना
– शाब्दिक अर्थ है –जाना या निकलना
– बचाने के लिये परमेश्वर शक्तिशाली तथा सामर्थी है (1–19)

– परमेश्वर अपनी वाचा के प्रति विश्वासयोग्य है (20–40)

अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श

– इस्राएल के इतिहास में तीन मुख्य घटनाएं ध्यान कीजिये–
  - दासत्व से निकालना
  - परमेश्वर की उपस्थिति का महत्व
  - वाचा की शर्तें
– मुख्य अध्याय
  - निर्गमन 12 – मेम्ने की बलि
  - निर्गमन 20 – व्यवस्था का दिया जाना
– मुख्य स्थान
  - मिस्र
  - लाल सागर
  - सीनै पर्वत
– परमेश्वर की प्रधानता तथा मनुष्य का उत्तरदायित्व, दोनों को पहिचानों
  - फिरौन राजा का हृदय कठोर होना (7:13, 14, 22; 8:11, 15, 28; 9:7, 34, 35, 13:5)
  - परमेश्वर फिरौन का हृदय कठोर करता है (4:21; 7:3; 9:12; 10:1, 20, 27, 11:10, 14:4; 8, 17)
– अगर हम निर्गमन को नहीं समझते तो हम नये नियम को नहीं समझेंगे

### ➢ लैव्यव्यवस्था

आरम्भकों के लिये प्रारम्भिक सूचना

– सीनै पर्वत पर दी जाती है
– 'याजकों के नियम' से सम्बोधित की जाती है
– पवित्रता के बारे में एक पुस्तक है (90 बार से ज्यादा उल्लेख है)
– बलिदान के बारे में एक पुस्तक है।

अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श

## nk e[; foHkkx

➢ विधिव्रत भेटों द्वारा परमेश्वर से सहभागिता (1–17)

धार्मिक जीवन द्वारा परमेश्वर से सहभागिता (18–27)

– एक विशेष अध्याय
  लैव्यव्यवस्था 16 – प्रायश्चित का दिन
  प्रायश्चित का अर्थ 'ढंकना' है (45 बार पुस्तक में प्रयोग हुआ)
– आवश्यक तत्व
  एक निडर याजक
  लहू की कुर्बानी
– व्यवाहारिक अनुप्रयोग को मत भूलिये
  परमेश्वर पवित्र है
  पाप गम्भीर है
  परमेश्वर दयालु है

### ➢ गिनती

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना

– 1–4 तथा 26–27 में जनगणना का विवरण
– परमेश्वर विश्वास का आदर करता है, अविश्वास को दंडित करता है
– अविश्वास का कारण पाप है – परमेश्वर के वचन में विश्वास की कमी

अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श

– जनगणना के बीच में परमेश्वर के लोगों की छः निश्चित विफलताओं को देखें
  - शिकायत करना (10:11–12; 16)

- विद्रोह करना – कादेश में (13:1–14; 14:45)
- विद्रोह करना (15:1–19:22)
- अवज्ञा करना (20:1–29)
- शिकायत करना (21:1–35)
- व्यभिचार तथा अनैतिकता (25:1–18)

– गिनती की पुस्तक में भूगोल तथा समय की रूपरेखा में अविश्वास के लिए चुकाई गयी कीमत देखें

भूगोलः

- सीनै (1:1–10:10)
- कादेश की यात्रा (10:11–13:25)
- कादेश में डेरा (13:26–20:21)
- मोआब की यात्रा (20:22–21:35)
- मोआब में डेरा (22:1–36:13)

समय रेखाः–

- 1–10 – 20 दिन
- 11–14 – 70 दिन
- 15–20 – 38 वर्ष
- 21–36 – 5 महीने

– देखिये कि अपने लोगों की विफलताओं के बावजूद भी परमेश्वर विश्वासयोग्य है।

➢ **व्यवस्थाविवरण**

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना

– दूसरा नियम – नई पीढ़ी के लिये व्यवस्था का दोबारा दिया जाना

– जब प्रतिज्ञा किए हुए देश में जाने की तैयारी करते हैं तब वाचा का दोहराया जाना

अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श

– देखिये कि किस प्रकार से परमेश्वर के सब लोगों पर नियम लागू होता है।

– शेम्मा को याद कर लीजिये (6:4–5)

- एक परमेश्वर
- एक वचन
- एक प्रेम (करीबन 20 बार दोहराया गया है)

– उनके प्रदेश की प्रत्याशा को देखें

वाचा के प्रति समर्पण को देखें

- एक नई पीढ़ी
- एक नई चुनौती
- एक नया नेता
- नई परीक्षाएं

– ध्यानपूर्वक पढ़ें पूरी बाइबल में यह सबसे अधिक उद्धृत पुस्तक है (356 बार नये नियम में 190 बार)।

➢ कहानी में अगली 12 पुस्तकें:

– राजतंत्र से पहले – 3
कहानी को जारी रखना यहोशू तथा न्यायियों
रूत (न्यायियों 10 के आसपास केन्द्रित)

– राजतंत्र – 6 (3 दोहरी पुस्तकें)
कहानी को जारी रखना – शमूएल तथा राजा
इतिहास (दाऊद के राज्य के आसपास केन्द्रित)

– राजतंत्र के बाद – 3
कहानी को जारी रखना – एज्रा और नहेमायाह
एस्तेर (एज्रा के समय के आसपास की मुख्य घटनाएं 6–7)

## ➢ यहोशू

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना

– यहोशू का शाब्दिक अर्थ है 'परमेश्वर बचायेगा'
– यूनानी भाषा में, यह नाम 'यीशु' नाम के बराबर है
– परमेश्वर के लोग उस विरासत का दावा करते हैं जिसकी प्रतिज्ञा परमेश्वर ने उनसे की थी।
– परमेश्वर अपना वचन पूरा करेगा (21:43–45)

अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श

– प्रतिज्ञा किये हुये देश की यात्रा को देखें
  एक मानचित्र के साथ पढ़ना अधिक अच्छा होगा
  पार करना (1:1–5:12)
  लेना (5:13–12:24)
  विभाजन (13–21)
  सेवा (22–24)
– इस्राएल तथा दूसरे देशों पर परमेश्वर के न्याय को देखें
– यहोशू , व्यवस्थाविवरण 30 का अनुप्रयोग है

## ➢ न्यायियों

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना

– मुख्य गुणः परमेश्वर ने अपने लोगों को उनके पाप से छुटकारा दिलाने के लिये न्यायियों का प्रयोग किया।
– मुख्य विषय–सारः अवज्ञा का परिणाम न्याय है।
– मुख्य पदः प्रत्येक मनुष्य ने यह किया जो उसकी अपनी दृष्टि में सही था (17:6)।
– मुख्य अध्याय– 2 पूरी पुस्तक का एक छोटा रूप है (2:10–19 के सार)।

अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श

– अत्याचार तथा छुटकारे की रचना को देखें
  प्रदेश को जीतने में विफलता (1:1–2:9)
  नियम पालन में विफलता (2:9–3:6)
  अत्याचार तथा उद्धार (3–16 तक 8 बार दोहराया गया है)
  प्रदेश को जीतने में विफलता (17–18)
  नियम पालन में विफलता (19–21)
– अवज्ञा तथा विजय का कालचक्र देखें (3–16)
  पुनःपतन
  विनाश
  पुनःस्थापना
  पश्चाताप
  विश्राम
– इस्राएल के क्रमशः हुई अवनति को देखें

## ➢ रूत

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना

– रूत का अर्थ है 'मित्रता'
– सम्पूर्ण उद्देश्य राजा दाऊद और यीशु मसीह की शाही वंशावली की खोज करना है।
– बोआज़, एक स्वजन उद्धारक, एक मोआबी रूत को परमेश्वर के लोगों के बीच में लाने का मूल्य चुकाता है।

अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श

– नाओमी के जीवन के परिवर्तन को ध्यानपूर्वक देखें
  रिक्तता से परिपूर्णता (1)
  निराशा से आशा (2–3)
  निष्फलता से विरासत (4)

– परमेश्वर के लोगों के अन्धकार में भी वह अपनी वाचा का प्रकाश चमकाता है।
– मुख्य बात को न चूकें
  4:13 को उत्पत्ति 12:1–3 से मिलायें
  4:14 को मत्ती 1:1–7 (विशेषकर 1:5) से मिलायें

### ➢ 1 तथा 2 शमूएल

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना
– समय रेखाः शमूएल के जन्म से (1100) दाऊद के राजत्व के अन्त तक (970)
– सम्पूर्ण विषय वस्तुः राजत्व

1 शमूएल धर्मतंत्र से राजतंत्र तक परिवर्तन को दर्शाता है ।
2 शमूएल दाऊद की वंश परंपरा राजा के रूप में दर्शाता है।

– तीन मुख्य पात्रः
  - शमूएल (1 शमूएल 1–7) – अन्तिम न्यायी, इस्राएल पर पहले दो राजाओं को अभिषिक्त करता है।
  - शाऊल (1 शमूएल 8–15) – इस्राएल का पहला राजा
  - दाऊद (1 शमूएल 16–2 शमूएल 24) – इस्राएल का दूसरा तथा सबसे अधिक महत्वपूर्ण राजा।

– मुख्य पदः 1 शमूएल 15:22 – "आज्ञा पालन करना बलिदान से बेहतर है"।
  - आज्ञा पालन तथा विश्वास के लिए परमेश्वर का वचन एकमात्र आधार है।

अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श
– देखिये कि किस प्रकार से इस्राएल के राजा को वाचा के प्रति निष्ठावान रहना अपेक्षित था।
  - वाचा के प्रति शाऊल की अवज्ञा – 1 शमूएल 15
  - वाचा के प्रति दाऊद का आज्ञा पालन – 2 शमूएल 7
– 1 तथा 2 शमूएल में परिवर्तनों को देखें
  - सामायिक न्यायियों के शासन की जगह एक अधिक स्थायी राजतंत्र आना
  - राजा से सांसारिक तौर पर अपेक्षाओं के स्थान पर एक ऐसे राजा को प्राप्त करना जो परमेश्वर के प्रति निष्ठावान है
  - येरूशलेम में परमेश्वर की उपस्थिति के लिये एक नया मन्दिर
– परमेश्वर की लालसा करने पर भी, दाऊद का जीवन एक दूसरे राजा की आवश्यकता को दर्शाता है जो परम प्रधान के प्रति पूर्णतया निष्ठावान हो।
  - उसकी राजसी सफलता एक अध्याय में है (8)
  - उसका राजसी पाप और उसका प्रभाव 11 अध्यायों में वर्णित है (10–20)

### ➢ 1 तथा 2 राजाओं का वृतान्त

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना
– इस्राएल के इतिहास के 400 से ज्यादा वर्ष इसमें सम्मिलित हैं (970–560)
  यह कालक्रम चार खण्डों में विभाजित है प्रत्येक खण्ड के बाद एक महाविपत्ति है।
  - 970–931 – बारह वंशों का विभाजन
  - 931–841 – दाऊद के सिंहासन के केवल एक उत्तराधिकारी को छोड़कर, सभी का येहू द्वारा मार डाला जाना
  - 841–722 – असीरिया के हाथों में सामरिया का पतन
  - 722–586 – बाबुल के हाथों में यरूशलेम का पतन
– दो मुख्य विषय वस्तुः
  - परमेश्वर के लोगों के रूप में इस्राएल का तिरस्कार
  - परमेश्वर के वचन की घोषणा करने वाले भविष्यवक्ताओं का उदय

  अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श
– संपूर्ण संरचनाः
  संगठित राज्य (1 राजा 1–11)
  विभाजित राज्य (1 राजा 12–2 राजा 17)

बन्दी राज्य (2 राजा 18–25)
– संगठित तथा विभाजित राजतंत्र से 39 राजाओं के बारे में है।
– एक राजा की सफलता या विफलता का मापदण्ड वाचा के प्रति निष्ठा है।
  - 19 में से 0 उत्तरीय राजाओं ने परमेश्वर का अनुसरण किया
  - 20 में से 8 दक्षिणी राजाओं ने परमेश्वर का अनुसरण किया

आसा, यहोशापात , योआश, अमस्याह, उज्जियाह, योताम, हिजकिय्याह, योशिय्याह,
– क्योंकि राजा निष्ठाहीन है, इसलिये परमेश्वर एलिय्याह तथा एलीशा जैसे भविष्यवक्ता को अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिये खड़ा करता है।

### ➢ 1 तथा 2 इतिहास

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना
– इब्रानी बाइबल में अन्तिम पुस्तक
– सम्भवतः एज्रा द्वारा लिखी गई

अधिकांश रूप से आत्मिक राज्य के दृष्टिकोण से लिखा गया।
– दाऊद तथा सुलैमान के आशावादी पहलुओं पर पूरी तरह से केन्द्रित है।
यहूदा में आज्ञाकारी राजाओं पर परमेश्वर की आशीषों को दर्शाती है।
परमेश्वर के राज्य की एक अधिक आदर्शवादी निरूपण का चित्र प्रस्तुत करती है।
– मन्दिर तथा इस्राएल को पूरे हृदय से आराधना पर केन्द्रित है।

अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श
– लेखक के दृष्टिकोण को समझें – राज्य की पुनःस्थापना करने की कोशिश कर रहा है।
– इतिहास में बताई गई कहानी के तीन भाग हैं:
  - वंशावलियां (1 इतिहास 1–9) – ज्यादा मत उलझिये!
  - संयुक्त राजतंत्र (1 इतिहास 10–2 इतिहास 9)
  - विभाजित राजतंत्र (2 इतिहास 10–36)
– जब परमेश्वर की उपस्थिति इस्राएल में आई तब उसकी महानता तथा अच्छाई पर बल दिया गया, इसे देखिये ।
  - जब परमेश्वर का सन्दूक यरूशलेम में लाया गया (1 इतिहास 16:34)
  - जब परमेश्वर का सन्दूक मन्दिर में लाया गया (2 इतिहास 5:13)
  - जब मन्दिर को प्रतिष्ठित किया गया (2 इतिहास 7:3)

### ➢ एज्रा – नहेमायाह

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना
– जैसा कि वह एक ही कहानी बताते हैं, इब्रानी बाइबल में एक ही किताब है।
  - बचे हुए लोगों का बंधुआई से येरूशलेम वापस आना
  - मंदिर का दोबारा बनाया जाना
  - येरूशलेम की शहरपनाह का बनाया जाना
– एज्रा या नेहमायाह इसके लेखक हैं
– "एज्रा" = "सहायक"; "नहेमायाह" = "परमेश्वर सांत्वना है"
– परमेश्वर अपनी सामर्थ में अपनी महिमा के लिये अपने लोगों को सुरक्षित रखता है।

अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श
– सम्पूर्ण संरचना
  - राष्ट्रीय पुनःस्थापना (एज्रा 1–6)
  - मंदिर का दोबारा बनाया जाना
  - आत्मिक सुधार (एज्रा 7–10)
  - शारीरिक सुधार (नहेमायाह 1–6)
  - आत्मिक पुनर्जीवन (नहेमायाह 7–13)
– शारीरिक तथा आत्मिक दोनों सुधारों को देखें
  - मन्दिर तथा दीवारों को फिर से बनाना
  - पाप से पश्चाताप
  - वाचा का नवीनीकरण (एज्रा 10; नहेमायाह 9–10)

– नहेमायाह 8–10 इस कहानी का उच्चतम बिन्दु है जहां पर वाचा के नवीनीकरण का समारोह है।
– वाचा के मुख्य अंश परमेश्वर के वचन का पालन करना तथा पवित्रता है

➢ **एस्तेर**

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना
– एज्रा के समय में या उससे पहले, घटनाएं होती हैं।
– परमेश्वर की ईश्वरीय रक्षा बहुत स्पष्ट है हालांकि उसका नाम का कभी भी वर्णन नहीं किया गया।
– चार मुख्य पात्र हैं
  - फ़ारसी राजा क्षयर्ष (29 बार इसके नाम का उल्लेख है)
  - हामान (48 बार इसके नाम का उल्लेख है)
  - मोर्दकै (54 बार इसके नाम का उल्लेख है)
  - एस्तेर (48 बार इसके नाम का उल्लेख है)
– ईश्वरीय इच्छा द्वारा इस्राएल के लोग पूरी तरह नष्ट होने से बचाये जाते हैं।

अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श
– यद्यपि परमेश्वर के नाम का उल्लेख नहीं है, उसकी ईश्वरीय सम्पदा के प्रमाण को देखें
  - एस्तेर का चुना जाना।
  - मोर्दकै द्वारा राजा को मारने का पता लगाना।
  - यहूदियों को नष्ट करने की योजना।
  - एक महीने की अवहेलना करने के बाद, राजा एस्तेर का स्वागत करता है।
  - एस्तेर की कुशलता के लिये राजा की गहन सोच
– एस्तेर तथा नीतिवचन की तुलना करें
  - एस्तेर 3:7 की नीतिवचन 16:33 से
  - एस्तेर 5:9–14 की नीतिवचन 16:18 से
  - एस्तेर 7:10 की नीतिवचन 11:8 से
  - एस्तेर 5:1–4 की नीतिवचन 21:2 से
– भटके हुओं पर धार्मिक लोगों के प्रभाव को पहिचानें
– जिस तरीके से हम अपने प्रभाव का प्रयोग करते हैं उसका क्या अर्थ है?

➢ परमेश्वर के लोगों की रचनाएं
– काव्यमय तथा ज्ञान भरे साहित्य के रूप में भी जानी जाती है।
– इब्रानी बाइबल में अंतिम पर है।
– व्यवस्था तथा भविष्यवक्ताओं में पाये जाने वाले परमेश्वर के कार्य तथा वचनों के प्रति मनुष्य की प्रतिक्रिया सम्मिलित है।

परमेश्वरीय वचन दुर्लभ
– प्राथमिक विषय वस्तु – परमेश्वर का भय मानना बुद्धि का मूल है (नीतिवचन 1:7)

➢ **अय्यूब**

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना
– बहुत अधिक प्रश्न
  - गुप्त रूप से लिखी गई
  - पुरूष प्रधान काल में लिखी गई
– वास्तविक इतिहास में अय्यूब एक वास्तविक मनुष्य था (यहेजकेल 14:14–20; याकूब 5:11)
– प्रश्नः धार्मिक जन क्यों और कैसे कष्ट उठाता है?
– परमेश्वर अपने लोगों के साथ व्यवहार में पूर्णता महान है और वह कभी भी अपने लोगों को कुछ भी ऐसा नहीं होते देता है जो उनकी भलाई के लिये न हो तथा उसकी महिमा के लिये न हो

अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श
– याद रखियेः

- यह एक पूर्वी पुस्तक है
- यह एक काव्यमय पुस्तक है
- यह एक कठिन पुस्तक है

– इसकी संरचना से भयभीत न होः
  - प्रस्तावना (1:1–2:13)
  - काव्य (2:14–42:6)
  - तीन वार्तालाप (4–27)
  - बुद्धि कहां से प्राप्त होती है (28)
  - तीन एकल भाषण (29–41)
  - उपसंहार (42:7–17)
– किसी सरल उत्तर को न खोजे
– व्यवहारिक रूप से .....
  केवल परमेश्वर ही प्रधान है
  कष्ट एक सौभाग्य है जो परमेश्वर अपने बालकों को देता है।
  जब संत लोग दुख भोगते हुए उसकी आराधना करते हैं तो परमेश्वर की महिमा होती है।

### ➢ भजन संहिता

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना
– भजन संहिता = एक काव्य जो संगीत के साथ गाया जाता है।
– यहूदी राज्य की गीत की पुस्तक है।
– आरम्भिक राजतंत्र से लेकर निर्वासन तक कई लेखकों द्वारा लिखी गई है – दाऊद, आसाप, कोराह के पुत्र, अन्य।
– परमेश्वर की महानता तथा उसकी भलाई के लिये उसकी प्रशंसा तथा उसमें विश्वास को प्रकट करती है।
– सृष्टि तथा सारे राज्यों का परमेश्वर ही परमप्रधान राजा है।

अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श
– पांच भाग, जिनकी समाप्ति ईश्वर की स्तुति के साथ होती है जो इस्राएल के इतिहास को प्रतिबिम्बित करती है।
  - पुस्तक 1 (1–41)
  - पुस्तक 2 (42–72)
  - पुस्तक 3 (73–89)
  - पुस्तक 4 (90–106)
  - पुस्तक 5 (107–150)
– भजन संहिता के प्रकारः
  - व्यक्तिगत प्रशंसा
  - व्यक्तिगत विलाप
  - सामूहिक प्रशंसा
  - समूहिक विलाप
– ज्ञानवर्धक तथा राजसी भजन भी इसमें शामिल हैं।
  - भजन संहिता 22 – क्रूस पर चढ़ाया हुआ उद्धारकर्ता
  - भजन संहिता 23 – चरवाहा
  - भजन संहिता 40:68 – बलिदान
  - भजन संहिता 118:2–3 –चटट्ान

### ➢ नीतिवचन

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना
– नीतिवचन = 'तुलना'
– ज्यादातर नीतिवचन सुलैमान के द्वारा लिखे गए हैं
– बुनियादी पद्यांशः नीतिवचन 1:1–7

– प्रधान विषय वस्तु
    - बुद्धि को ग्रहण करो तथा मूर्खता को छोड़ो
    - धार्मिकता में चलो और बुराई से दूर रहो

अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श
– एक दिन में नीतिवचन का एक अध्याय पढ़ें
– सम्पूर्ण संरचना
    - प्रस्तावना (1:1–7)
    - परिचय (1:8–9:18)
    - सुलैमान के नीतिवचन I (10:1–22:16)
    - बुद्धिमान के कथन I (22:17–24:22)
    - बुद्धिमान के कथन II (24:23–34)
    - सुलैमान के नीतिवचन II (25:1–29:27)
    - आगूर के वचन (30:1–33)
    - लमूएल के वचन (31:1–31)
– नीतिवचन के बारे में स्मरणपत्रः
    - प्रतीकात्मक
    - व्यवहारिक
    - स्मरणीय
    - शाब्दिक तरीकों की विविधता
    - परामर्श है परन्तु आश्वासन नहीं है
    - अच्छी सलाह, पर थकाने वाली नहीं
– विवेकपूर्ण साहित्य का उद्देश्य वचन को व्यवहारिक जीवन में लागू करना है
– परमेश्वर का ज्ञान यीशु मसीह है (8:22–31)

### ➢ सभोपदेशक

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना
– शिक्षक द्वारा लिखी गई – बहुदा सुलैमान द्वारा (1:1–2, 12)
– मुख्य प्रश्नः क्या वास्तव में जीवन जीने योग्य है?
– मुख्य शब्द : आदमी, परिश्रम, सूर्य के नीचे, अर्थहीन, बुद्धिमानी, बुराई
अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श
– पुराने नियम की कठिन पुस्तकों में से एक पुस्तक
– प्रमुख सिद्धान्तों को देखेंः
    - परमेश्वर अंतिम वास्तविकता है, सब का सृजनहार है।
    - परमेश्वर के मार्ग हमेशा समझ नहीं आ सकते जैसे अपेक्षा की जाती है।
    - जीवन उसी प्रकार से नहीं चलता
    - मृत्यु सबके लिए बराबर है
– मत भूलिये कि सभोपदेशक बिना समाप्ति की एक पुस्तक है।
– व्यवहारिक अनुप्रयोग
    - आज परमेश्वर की आशीषों का आनन्द लें
    - परमेश्वर से डरें
    - परमेश्वर के वचन का पालन करें

### ➢ श्रेष्ठगीत

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना
– श्रेष्ठगीत = गानों मे सबसे उत्तम
– एस्तेर की तरह, इसमें भी कहीं भी परमेश्वर का नाम नही है।
– विषय वस्तु – एक स्त्री तथा पुरूष के बीच में कामुक प्रेम
अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श
– तीन मुख्य पात्रः

- स्त्री – प्रेमिका
- पुरूष – प्रेमी
- स्त्री के मित्र ( यरूशलेम की पुत्रियां)

– व्याख्या के लिये तीन सम्भावनाएं
- शाब्दिक – एक पुरूष और एक स्त्री
- ऐतिहासिक – परमेश्वर तथा उसके लोग, इस्राएल
- विशिष्ट – यीशु तथा उसकी कलीसिया

– सच्चे प्रेम की प्रसन्नता तथा अशमनीय प्रकृति को देखें

➢ परमेश्वर के लोगों में से भविष्यवक्ता

– परमेश्वर के लोगों की कहानी पर परमेश्वर की व्याख्या (इस्राएल का इतिहास)
– ऐतिहासिक संदर्भ याद रखें....
- राजनैतिक, सैन्य, आर्थिक और सामाजिक क्रांति का एक समय
- परमेश्वर की वाचा के प्रति अधिक श्रद्धाहीनता का एक समय
- सत्ता के संतुलन में अन्तर्राष्ट्रीय स्थानान्तरण

– याद रखिये कि भविष्यवक्ताओं ने निकट भविष्य तथा अंतिम भविष्य दोनों के बारे में बताया था।
– याद रखिये कि भविष्यवक्ताओं की भाषा अधिकतर काव्यमय थी।

### ➢ यशायाह

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना
– यशायाह = 'परमेश्वर बचाता है'
– समय कालः 760–680 ई.पू.
– ऐतिहासिक समायोजनाः यशायाह ने असीरिया द्वारा इस्राएल का विध्वंस और बाबुल में निर्वासन के बारे में भविष्यवाणी की थी।
– परमेश्वर के लोग और सारे देश के लिए न्याय तथा उद्धार दोनों नियत हैं।

अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श
– यह सुक्ष्म बाइबल दो मुख्य भागों से बनी हैः
- वर्तमान का न्याय (1–39)
  39 पुस्तकें जो पाप का प्रभाव तथा परमेश्वर का न्याय प्रदशित करते हैं।
- भविष्य की आशा (40–66)
  27 पुस्तकें जो दयालु सेवक और परमेश्वर की सांत्वना का वर्णन करती है।

– चार प्रधान विचारों को देखेंः
- परमेश्वर 'इस्राएल का पवित्र एक ही परमेश्वर है (30 बार)
- इस्राएल परमेश्वर के पवित्र लोग है (62:12)
- यरूशलेम परमेश्वर का 'पवित्र नगर' है (48:2) और पवित्र पर्वत है (11:9; 27:13)
- परमेश्वर गैर–यहूदियों (राष्ट्रों) को अपनी आराधना करने बुला रहा है (2:2; 56:7)

– यशायाह यीशु मसीह की एक समृद्ध छवि देता हैः
- उसका जन्म (7:14)
- उसका जीवन (61:1–2)
- उसकी मृत्यु (52:13–53:12)
- उसका पुनरूत्थान (55:3)

### ➢ यिर्मयाह

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना
– यिर्मयाह = परमेश्वर नियुक्त करता है
– समय कालः 626–586 ई.पू.
– ऐतिहासिक समायोजनाः यहूदा के इतिहास के अन्तिम 40 वर्षों के दौरान और बाबुल द्वारा इसके नाश होने तक यिर्मयाह भविष्यवाणी करता रहा।
– पश्चाताप तथा परमेश्वर की वाचा के प्रति निष्ठा के लिये एक पुकार

– प्रमुख अध्यायः
    - यिर्मयाह 7 – मन्दिर का सम्बोधन
    - यिर्मयाह 31 – नई वाचा

अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श
– यिर्मयाह बाइबल की सबसे लम्बी पुस्तक है
– सम्पूर्ण संरचनाः
    - व्यक्तिगत – यिर्मयाह को परमेश्वर की पुकार (1)
    - राष्ट्रीय – यहूदा को सन्देश (2–33)
    - व्यक्तिगत – यिर्मयाह का कष्ट उठाना (34–45)
    - अन्तर्राष्ट्रीय – दूसरे राज्यों को सन्देश (46–51)
    - व्यक्तिगत – परमेश्वर द्वारा यिर्मयाह का समर्थन

– अपने लोगों के लिये परमेश्वर का हृदय, अपने भविष्यवक्ताओं के हृदयों के द्वारा प्रगट होता है
– उदाहरणों से सीखें
    - कुम्हार की मिट्टी (18), मिट्टी के पात्र (19), अंजीर की टोकरियां (24)

### ➢ विलापगीत

*आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचनाएं*
– विलापगीत – 'शवयात्रा का काव्य'
– समय कालः 586–585 ई.पू.
– ऐतिहासिक समायोजनाः बेबीलोन के हाथों यरूशलेम का पतन
– पाप के कारण, परमेश्वर के पीड़ित हृदय को प्रगट करता है

*अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श...*
– प्रत्येक अध्याय एक अलग विलापगीत है
– प्रत्येक अध्याय में, आयतों को परिवर्णी काव्य में संजोया गया है जहां हर चरण का पहला अक्षर इब्रानी अक्षर से मेल खाता है।
– अध्याय 3 चरमोत्कर्ष हैं जहाँ प्रत्येक इब्रानी अक्षर हर चरण में क्रमागत दोहराया जाता है (वचनों को)।
– परमेश्वर के लोगों के नाश होने के बोझ को अनुभव करें:– अकाल, प्यास, नरभक्षण, बलात्कार, हत्या।
– प्रमुख पद्यांशः विलापगीत 3:22–24
    तेरी विश्वासयोग्यता महान है

### ➢ यहेजकेल

*आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना*
– यहेजकेल = 'परमेश्वर शक्ति देता है'
– समय कालः 592–570 ई.पू.
– ऐतिहासिक समायोजनाः यहूदियों को भविष्यवाणी करना एज्रा के लिये बेबीलोन के हाथों में पड़ना था।
– 'परमेश्वर का वचन मुझ तक पहुंचा' (लगभग 50 बार)
– यहेजकेल का दोहरा उद्देश्यः
    - पश्चाताप तथा विश्वास को बढ़ावा देना
    - आशा तथा भरोसे को प्रेरणा देना

अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श
– सम्पूर्ण संरचनाः
    - भूमिका – यहेजकेल को परमेश्वर की पुकार (1–3)
    - यहूदा के विरूद्ध न्याय (4–24)
    - राज्यों के विरूद्ध न्याय (25–32)
    - परमेश्वर के लोगों की पुनःस्थापना (33–48)

– एक चित्रित पुस्तक की तरह है जो सांकेतिक कार्यों, दर्शनों तथा दृष्टांतिक चित्रों से भरी है
– अपने मन्दिर में परमेश्वर की महिमा पर जोर दिया गया है
– यहेजकेल अपनी भविष्यवाणी के अनुसार रहा
    - युद्ध में रहा (4:1–3)
    - कई दिनों तक एक करवट पर लेटा रहा (4:4–17)
    - सिर तथा दाढ़ी के बाल मुंडवाना (5:1–4)
    - युद्ध से भागे हुये व्यक्ति की तरह व्यवहार करना (12:1–16)
    - बैठकर ठण्डी साँस लेना (21:1–7)
    - अपनी पत्नी की मृत्यु सहना (24:15–27)

### ➢ दानिय्येल

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना
– दानिय्येल = 'परमेश्वर मेरा न्यायी है'
– समय कालः छठी शताब्दी का आखिर (535 ई.पू.)
– ऐतिहासिक समायोजनाः दानिय्येल को बाबुल में निर्वासित किया गया और उसने तीन विभिन्न राज्यों में काम किया –बेबीलोन, मीदिया, फारस
– इब्रानी/अरामी दोनों भाषा में लिखी गई।
– पूरे इतिहास में तथा सारे राजाओं पर परमेश्वर महान है।

अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श
– सम्पूर्ण संरचना
    - व्यक्तिगत इतिहास – राजा के दरबार की कहानियां (1–6)
    - भविष्यवाणी की कहानियां, युग के अन्त के दर्शन (7–12)
– दानिय्येल की भविष्यवाणी यरूशलेम को बन्दी बनाये जाने से लेकर यीशु मसीह के पुनरागमन तक के विषय में है।

### ➢ होशे

*आरम्भकों के लिये प्रारम्भिक सूचना*
– होशे = 'उद्धार'
– समय कालः 758–722 ई.पू. (2 राजा 15–17 देखें)
– ऐतिहासिक समयोजनाः असीरिया द्वारा इस्राएल को बन्दी बनाये जाने से पहले उसके लिये भविष्यवाणी
– निष्ठाहीन लोगों के लिये परमेश्वर का असीम प्रेम

अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श
– सम्पूर्ण संरचना
    - इस्राएल की निष्ठाहीनता की छवि (1–3)
    - परमेश्वर के विश्वासयोग्यता की भविष्यवाणी (4–14)
        - इस्राएल के पाप (4–7)
        - इस्राएल का न्याय (8–10)
        - इस्राएल की पुनःस्थापना (11–14)
– होशे के दृष्टान्त को देखें:
  परमेश्वर का वर्णन – सिंह, बाघ, भालू, चील, पति, प्रेमी, पिता
  इस्राएल का वर्णन – व्यभिचारिणी, तपता हुआ तन्दूर, अचेतन पण्डुकी, दोषपूर्ण तीर, मूर्खतापूर्ण बातें, भोर की मेघ, तड़के सूख जाने वाली ओस, चिमनी से निकलता धुंआ, छिनाल, जन्म लेने से इन्कार करता हुआ बालक, दाखलता, भूसा।
– उस परमेश्वर के हृदय का आभास करें जो निष्ठाहीनता का न्याय तो करता है, पर अपने लोगों के लिये उसके हृदय में असीम प्रेम है।

### ➢ योएल

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना

– समय कालः अज्ञात
– ऐतिहासिक समायोजनाः परमेश्वर के लोगों के बीच में, टिड्डी के आक्रमण के बाद
– परमप्रधान परमेश्वर का दिन न्याय तथा उद्धार का दिन होगा
– सम्पूर्ण संरचनाः
    - परमेश्वर का दिन – एक प्रतीक होना (1:1–2:17)
    - परमेश्वर का दिन – भविष्यवाणी होना (2:18–3:21)
– 'परमेश्वर का दिन' – जब परमेश्वर गैर–यहूदियों पर इस्राएल के विरूद्ध उनके पापों के कारण अपना क्रोध प्रकट करेगा
– पूरी जगह मुख्य बाइबल की विषय–वस्तु को देखें: पाप के विरूद्ध परमेश्वर का क्रोध, प्रायश्चित की आवश्यकता, अनुग्रह और परमेश्वर का आत्मा

### ➢ आमोस

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना
– आमोस = 'बोझ'
– समय कालः 765–750 ई.पू. (2 राजा 14:23–15:7 देखें)
– ऐतिहासिक समायोजनाः इस्राएल के विध्वंस से लगभग 25 वर्षों पहले, समृद्धि के समय भविष्यवाणी करना
– परमेश्वर ने इस्राएल की धार्मिक तथा सामाजिक रीतियों का तिरस्कार किया

अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श
– सम्पूर्ण संरचना
    - आमोस चारों तरफ देखता है – राष्ट्रों का न्याय (1–2)
    - आमोस स्वंय का परिक्षण करता है – परमेश्वर के लोगों पर न्याय (3–6)
    - आमोस आगे की ओर देखता है – विध्वंस तथा अंततः पुनः स्थापना के दर्शन (7–9)
– परमेश्वर के विरूद्ध दो मुख्य अपराधः
    - धार्मिक विपरीत रीतियों का मेल (1:7–8; 4:4–5; 5:21–26; 8:10, 14)
    - सामाजिक अन्याय (2:6–8; 3:9–10; 4:1; 5:7, 10–13, 15, 24; 6:12; 8:4–6)
– इन दो अपराधों तथा नये नियम की दोनों महान आज्ञाओं के सम्बन्ध पर विचार करें

### ➢ ओबद्याह

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना
– समय कालः 586 ई.पू.
– ऐतिहासिक समायोजनाः सम्भवतः यरूशलेम के पतन के शीघ्र बाद मे ही
– परमेश्वर के लोगों के विरूद्ध एदोम के पापों के न्याय के लिये भविष्यवाणी
    - एदोम – एसाव के वंशज
    - इस्राएल – याकूब के वंशज

अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श
– पुराने नियम की सबसे छोटी पुस्तक
– सम्पूर्ण संरचनाः
    - एदोम का होने वाला विध्वंस (1–16)
    - इस्राएल की पुनः स्थापना (17–21)
– ओबद्याह को भजन संहिता 137 के साथ पढ़ें
– सांसारिक शक्तियों पर परमेश्वर की अंततः विजय के बारे में स्वयं को याद दिलाते रहें

### ➢ योना

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना
– समय कालः 780–750 ई.पू.
– ऐतिहासिक समायोजनाः एक समय जब अश्शूरी लोग क्रूर तथा निमर्म थे और इस्राएली उनसे नफरत करते थे।

– परमेश्वर के लोग अन्य जातियों के लिये परमेश्वर की दया को मानने से हिचकते हैं

अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श

– सम्पूर्ण संरचनाः
    - योना का प्रतिरोध (1)
    - योना का प्रायश्चित (2)
    - अश्शूरियों का पुनरुज्जीवन (3)
    - योना का विद्रोह (4)
– एक इस्राएली के दृष्टिकोण से इसको पहले की कल्पना करें
– योना की कहानी को उत्पत्ति 12:1–3 में परमेश्वर की आशीषों के उद्देश्य से सम्बन्धित करें

### ➢ मीका

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना

– समय कालः 740–686
– ऐतिहासिक समायोजनाः अश्शूरियों द्वारा इस्राएल के विध्वंस से पहले यशायाह का समकालीन
– मूर्तिपूजा तथा अन्याय के लिये परमेश्वर का न्याय

अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श

– तीन उपदेशों से निर्मित (1–2; 3–5; 6–7)
– प्रत्येक उपदेश मे दो बातों पर जोर है।
    - न्याय की देववाणी
    - भविष्य की आशा की देववाणी
– भविष्यवाणी की संरचना परमेश्वर के न्याय तथा दया के सन्तुलन का प्रतिनिधित्व करती है।

### ➢ नहूम

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना

– समय कालः 630–610 ई.पू. (2 राजा 17–23 देखें)
– ऐतिहासिक समायोजनाः अश्शूरियों ने इस्राएल पर विजय प्राप्त कर ली थी और सामर्थ की चोटी पर था और नहूम ने उसके नाश होने की भविष्यवाणी करी थी।
– परमेश्वर महान है और बुराई के विरूद्ध न्याय की घोषणा करेगा।

अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श

– भविष्यवाणी के तरीकों की विविधता को देखें – भजन, उद्धार, नाश, कटाक्ष
– यह सोचिये कि अनुग्रह तथा अच्छाई का परमेश्वर कैसे न्याय का परमेश्वर भी हो सकता है।

### ➢ हबक्कूक

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना

– समय कालः 625–586 ई.पू. के बीच (2 राजा 22–23 देखें)
– ऐतिहासिक समायोजनाः यरूशलेम पर बेबीलोन के आक्रमण तक का समय
– लोग बुराई करके भी कैसे बच निकलते हैं जबकि लगता है कि परमेश्वर कुछ नहीं कर रहा है?
– परमेश्वर के लोग उसके न्याय, उसकी सामर्थ तथा उसकी निष्ठा में विश्वास कर सकते हैं।

अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श

– सम्पूर्ण संरचनाः
    - भविष्यवक्ता का परमेश्वर के साथ वार्तालाप (1–2)
    - भविष्यवक्ता की परमेश्वर से प्रार्थना (3)
– सम्पूर्ण सत्यः मानवीय पापपूर्ण अनैतिकता के बारे में परमेश्वर कुछ करेगा

➢ **सपन्याह**

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना

– समय कालः 640–609 के बीच (2 राजा 22–23 देखें)
– ऐतिहासिक समायोजनाः हबक्कूक के समकालीन, बेबीलोन द्वारा यरूशलेम के विध्वंस होने तक।
– परमेश्वर, यहूदा में वर्तमान न्याय तथा भविष्य के उद्धार को ला रहा है।

अध्ययन के लिये व्यवाहरिक परामर्शः

– सम्पूर्ण संरचना
    - परमेश्वर यहूदा का न्याय करेगा (1:1–2:3)
    - परमेश्वर राज्यों का न्याय करेगा (2:4–3:7)
    - परमेश्वर अपने लोगों की पुनः स्थापना करेगा (3:8–20)
– 'यहोवा का दिन' (1:7–2:3 के बीच 17 बार) दुष्टों पर न्याय का दिन
– एक दिन परमेश्वर के लोग आदर के स्थान पर लज्जा प्राप्त करेंगे।

➢ **हाग्गै**

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना

– समय कालः 520 ई.पू. (एज्रा 1–6 देखें)
– ऐतिहासिक समायोजनाः लोग निर्वासन से यरूशलेम को लौट आये थे और मन्दिर के पुनः निर्माण का कार्य आरम्भ किया था
– परमेश्वर के लोगों को परमेश्वर के मन्दिर को फिर से बनाना आवश्यक था ताकि वो आराधना पुनः शुरु कर सकें।

अध्ययन के लिये व्यवहाकिर परामर्श

– सम्पूर्ण संरचनाः
    - पहला वचन – मन्दिर का पुनः निर्माण (1:1–11)
    - दूसरा वचन – कार्य जारी रखना (1:12–2:9)
    - तीसरा वचन – पवित्र बनो (2:10–19)
    - अंतिम वचन – परमेश्वर पर भरोसा (2:20–23)
– इस्राएल के इतिहास में मन्दिर के महत्व को याद रखें
– मन्दिर के विषय वर्तमान आशा तथा भविष्य की महिमा के बीच के तनाव को याद रखें (2:1–5, 6–9)।

➢ **जकर्याह**

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना

– जकर्याह = 'परमेश्वर स्मरण रखता है'
– समय कालः 520 में शुरू होकर पाँचवी शताब्दी तक फैला है
– ऐतिहासिक समायोजनाः निर्वासन के बाद के यरूशलेम में हाग्गै का समकालीन
– दो मुख्य विषय–वस्तु
  इस्राएल का शहर (यरूशलेम) शांति तथा महिमा को प्राप्त करेगा
  इस्राएल का राजा (यीशु) अपने लोगों के पापों के लिये मारा जायेगा और अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेगा।

अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श

– सम्पूर्ण संरचनाः
    - छुटकारे तथा पुनःस्थापना का दर्शन (1–8)
    - सभी जातियों पर परमेश्वर की विजय (9–14)
– जकर्याह की भविष्यवाणी में वर्तमान तथा भविष्य दोनों की परिपूर्णता को ध्यान में रखें।
– जकर्याह 11–13 की यशायाह 52–53 से तुलना करें
  जकर्याह अपनी भविष्यद्वाणियों पर निर्भर रहता है।

➢ **मलाकी**

आरम्भकों के लिये प्राथमिक सूचना

– मलाकी = मेरा संदेशवाहक

- समय काल' 460–400 ई.पू. के आसपास
- ऐतिहासिक समायोजनाः निर्वासनोत्तर यरूशलेम नहेमायाह तथा एज्रा के सुधारों के समय के पास।
- परमेश्वर अपनी वाचा के प्रति विश्वासयोग्य है और अपने लोगों से जिनसे उसने वाचा बांधी है विश्वासयोग्यता चाहता है।

अध्ययन के लिये व्यवहारिक परामर्श

- वाचा के प्रति लोगों की निष्ठाहीनता के बारे में, परमेश्वर तथा उसके लोगों के बीच छः विवाद सम्मिलित हैं, प्रत्येक एक ही तरीका अपनाता हैः
    - परमेश्वर लोगों का सामना करता है
    - लोग परमेश्वर से प्रश्न करते हैं
    - परमेश्वर लोगों को प्रत्युत्तर देता है
- मलाकी में वर्णित पापों की तुलना एज्रा 9–10 और नहेमायाह 13 से करें।
- वाचा के सन्देशवाहक के आने की प्रत्याशा के साथ समाप्त होती है।

# पुराने नियम का सर्वेक्षणः भाग 2

## परमेश्वर ने हमें पुराना नियम क्यों दिया?

धर्मशास्त्र के रूप में पुराना नियम

- पुराने नियम की व्याख्या किस प्रकार से करनी है यह जानने के लिये यह समझना है कि परमेश्वर ने हमें पुराना नियम क्यों दिया।

- कुछ सम्भावनाएं.....
  - ऐतिहासिक जानकारी के लिये?
  - नैतिक शिक्षा के लिये?
  - चरित्र के अध्ययन के लिये?
  - जीवन में उदाहरणों के लिये?

- एक अधिक गहन उद्देश्य...
  - पुराने नियम के इतिहास का बुनियादी मुख्य उद्देश्य
    - हम इसे जानना चाहते हैं
    - हम इसे प्रयोग मे लाना चाहते हैं
    - हम इसकी घोषणा करना चाहते हैं
  - पुराने नियम का उद्देश्य है कि परमेश्वर किस प्रकार से अपने राज्य के लिये अपने लोगों को मुक्ति देता है।

    परमेश्वर अपने लोगों को कैसे मुक्ति देता है...
  - परमेश्वर अपने लोगों को अपने लिये पुनस्थार्पित करता है।
  - परमेश्वर हमें अपने स्वरूप पर पुनः रचना करता है

    अपने राज्य के लिये
    - एक राज्य
      - लोगों पर जहां राजा का प्रभुत्व है
      - एक स्थान जहां राजा का राज्य है
      - राजा और उसके राज्य के लिये एक उद्देश्य है
    - परमेश्वर का राज्य ...
      - परमेश्वर अपने लोगों को एकत्र कर रहा है
      - अपने स्थान में
      - अपने उद्देश्य के लिये
  - पुराने नियम की कहानी को समझने के लिये एक मानचित्र है
    - एक प्रगतिशील कहानी
    - एक अधूरी कहानी

### अदन (उत्पत्ति 1–2)

- लोग – अपने लोगों पर परमेश्वर की आशीष
  - महान राजा स्त्री तथा पुरूष की रचना अपनी सृष्टि की सर्वोच्चता के लिए करता है।
  - सृष्टि की रचना के दो पूरक वृतांत, परमेश्वर तथा मनुष्य में एक विशिष्ट सम्बन्ध स्थिति हैं।
    - उत्पत्ति 1, जो अपने क्षेत्र में लौकिक तथा सर्वव्यापी है
    - उत्पत्ति 2, जो निश्चित रूप से मानवतारोपी है
  - मनुष्य निरन्तर परमेश्वर के प्रेम का आनन्द ले रहा है
- स्थान – पूर्ण सहभागिता
  - सब स्थानों में उत्तम – अदन में स्वर्ग की वाटिका
  - अदन एक ऐसा स्थान है जहां पर सब सम्बन्ध दोषरहित हैं।

- परमेश्वर तथा मनुष्य के बीच
- स्त्री तथा पुरूष के बीच
- मनुष्य तथा अड़ोस–पड़ोस के बीच

➢ उद्देश्य – सब लोगों में परमेश्वर की महिमा अधिक बढ़ गई

– परमेश्वर के रूप में रचा गया मनुष्य परमेश्वर को हर रचना पर महान दिखलाता है।

– मनुष्य का उद्देश्य....
  - परमेश्वर के साथ एक सम्बन्ध का आनन्द लेना (उत्पत्ति 1:26a)
  - संपूर्ण सृष्टि पर राज करना (उत्पत्ति 1:26b)
  - पृथ्वी के छोर तक परमेश्वर की महिमा को बढ़ाने के लिये (उत्पत्ति 1:28)

## पतन (उत्पत्ति 3–11)

➢ लोग – आदम तथा हव्वा के द्वारा परमेश्वर की आशीषें तथा न्याय

– पतन के दो परिणाम....
  - धार्मिक न्याय
  - अयोग्य अनुग्रह

– उद्धार तथा न्याय अब अलग न होने वाले हैं और यह परमेश्वर का अपना राज्य स्थापित करने की गतिविधि में पूरक है।

– मानवीय विकास की दो रेखाएं (उत्पत्ति 4–11)
  - एक अधर्मी रेखा जो मनुष्य का पाप व्यक्त करती है और परमेश्वर के न्याय को आमंत्रण देती है।
  - एक धर्मी रेखा जो अपने लिये लोगों को एकत्रित करने में परमेश्वर के अनुग्रह को दर्शाती है।

➢ स्थान – विघटित सहभागिता

– अब समस्त सम्बन्ध विघटित हो गये है....
  - परमेश्वर तथा मनुष्य के बीच मतभेद
    - अपराध–बोध (उत्पत्ति 3:7)
    - लज्जा (उत्पत्ति 3:8)
    - भय (उत्पत्ति 3:10)
  - स्त्री तथा पुरूष के बीच मतभेद (उत्पत्ति 3:16)
  - मनुष्य तथा उसके परिसर के बीच मतभेद (उत्पत्ति 3:17)

– पतित मनुष्य वाटिका से बाहर है।

➢ उद्देश्य – सब लोगों के लिये परमेश्वर की महिमा बिगड़ चुकी है

– अब मनुष्य जो कुछ भी वह है उसके लिये स्वतंत्र है – एक पापी जो परमेश्वर से घृणा करता है।

– पतन के बाद मनुष्य की छवि...
  परमेश्वर के उद्देश्य के लिये पूर्ण अवज्ञा (उत्पत्ति 11:2)
  परमेश्वर की महिमा के लिये पूर्ण अनादर (उत्पत्ति 11:4)

## कुलपति (उत्पत्ति 12–50)

➢ लोग – इब्राहम, इसहाक और याकूब द्वारा परमेश्वर की आशीष तथा न्याय

– परमेश्वर वाचादत्त लोगों को तैयार करता है (इस्राएल)
  'मैं तुझसे एक बड़ी जाति बनाऊंगा और उसे आशीष दूंगा और तेरा नाम बड़ा करूंगा और तू आशीष का मूल होगा और जो उसे आशीष दे उसे मैं आशीष दूंगा...' (उत्पत्ति 12:2–3)।

– परमेश्वर इब्राहम तथा उसके वंशज को आशीष देने की प्रतिज्ञा करता है।
  उत्पत्ति 12:1–3; 15:1–6; 17:1–27

– परमेश्वर की प्रतिज्ञा अनुग्रह द्वारा केवल विश्वास ही से मिलती है।

➢ स्थान – प्रतिज्ञा की हुई सहभागिता

– परमेश्वर वाचा का एक स्थान स्थापित करता है
अपने देश, अपनी जन्मभूमि और अपने पिता के घर को छोड़कर उस देश में चला जा, जो मैं उसे दिखाऊंगा (उत्पत्ति 12:1)।
– परमेश्वर लगातार, देश में प्रतिज्ञा की हुई सहभागिता के लिये बल देता रहता है।
इसहाक (उत्पत्ति 26:1–6); याकूब (उत्पत्ति 28:10–22); यूसुफ (उत्पत्ति 39)

➢ उद्देश्य – अपनी विश्वासयोग्यता द्वारा परमेश्वर की महिमा सब लोगों पर प्रकट होती है
– अपनी प्रतिज्ञा को सिद्ध करवाने के लिये परमेश्वर एक बलिदान उपलब्ध करता है (उत्पत्ति 22)
– परमेश्वर अपने लोगों के द्वारा, सब राज्यों के लिये अपने राज्य की स्थापना करने की प्रतिज्ञा करता है (17:6, 16, 35:11, 49:9–10)।

## निर्गमन तथा विजय (निर्गमन –1 शमूएल 8)

➢ लोग – मूसा, यहोशू, न्यायियों, शमूएल द्वारा परमेश्वर की आशीष तथा न्याय
– परमेश्वर की आशीष ...
  - वह अपने लोगों को मुक्त करता है (निर्गमन 2:23–24)
  - वह स्वयं को अपने लोगों पर प्रकट करता है (निर्गमन 6:1–12)
  - वह अपने लोगों को छुड़ता है (निर्गमन 7–18)

2 शमूएल 7:23, 1 इतिहास 17:21, यशायाह 63:12–14, यिर्मयाह 32:20–21, दानिय्येल 9:15, नहेमायाह 9:10 को भी देखें
  - सीनै पर्वत पर वह अपनी वाचा को नया करता है (निर्गमन 19)
  - अपने लोगों को वह व्यवस्था देता है (निर्गमन – व्यवस्थाविवरण)
  - अपने लोगों को वह भूमी देता है (यहोशू)
  - अपने लोगों को वह नेतृत्व देता है (न्यायियों)

– परमेश्वर का न्याय
फिरौन पर
मूर्तिपूजक देशों पर
– पुराने नियम का रहस्य – निर्गमन 34:6–7
यहोवा ईश्वर दयालु, अनुग्रहकारी, क्रोध करने में धीरजवन्त, अति करूणामय और सत्य, हजारों पीढ़ियों तक निरन्तर करूणा करनेवाला, अधर्म, अपराध और पाप का क्षमा करने वाला, परन्तु वह दोषी को किसी प्रकार निर्दोष न ठहरायेगा।

➢ स्थान – परमेश्वर अपने लोगों के साथः खेमा (तम्बू)
– परमेश्वर की उपस्थिति...
बादल तथा आग के खम्बों में
तम्बू में
प्रतिज्ञा किये हुये देश में
– अपने लोगों के साथ रहने का स्थान – तम्बू, एक केन्द्रीय बिन्दु बन जाता है (2 शमूएल 7:6)
– परमेश्वर अपने लोगों के बीच में रहता है, पर केवल एक मध्यस्थ द्वारा ही उस तक पहुंचा जा सकता है जो पाप के लिये स्वीकृत बलिदान अर्पण करता है।

➢ उद्देश्य – परमेश्वर के छुटकारे के द्वारा, उसकी महिमा सारे लोगों पर प्रकट होती है।
– परमेश्वर की उत्साही प्रक्रियायें यह चाहती है कि हर व्यक्ति, हर समूह और हर राज्य यह 'जाने कि मैं परमेश्वर हूं' और जानकर उसकी महिमा पर विश्वास करो।
– वह/तुम जान लोगे कि मैं यहोवा हूं' (उत्पत्ति से गिनती तक 50 बार इसका उल्लेख है)।
– निर्गमन 19:6 याजकों का राज्य...
एक पवित्र परमेश्वर तथा पृथ्वी के सब लोगों के बीच मध्यस्थ।
– परमेश्वर के नाम की महानता तथा उसकी महिमा की उद्घोषणा को बढ़ाने के लिये, इस्राएल ने एक शाश्वत ईश्वर के साथ, उसकी शाश्वत इच्छा में स्वयं को जोड़ दिया है।

– देश को पराये देवताओं से छुड़ाने के लिये और राज्यों में परमेश्वर के नाम की महिमा को प्रतिबिम्बित करने के लिये ही इस्राएल का छुटकारा हुआ था।

## एक राजतंत्र – (1 शमूएल 9–1 राजा 11; 1 इतिहास – 2 इतिहास 9)

➢ लोग – शाऊल, दाऊद और सुलैमान के द्वारा परमेश्वर की आशिष और न्याय
– राजाओं के द्वारा परमेश्वर अपनी वाचा की मध्यस्थता करता है।
  - वाचा की निष्ठा में आशीष
  - वाचा की निष्ठाहीनता में न्याय
– दाऊद द्वारा परमेश्वर अपने लोगों के साथ अपनी वाचा का नवीनीकरण करता है (2 शमूएल 7)
  - उसके नाम को आशीषित करने की प्रतिज्ञा (2 शमूएल 7:9; उत्पत्ति 12:2)
  - शत्रु पर विजय प्राप्त देने की प्रतिज्ञा (2 शमूएल 7:11; उत्पत्ति 22:17)
  - अपने लोगों के साथ एक विशिष्ट संबंध की प्रतिज्ञा (2 शमूएल 7:14; उत्पत्ति 17:7–8)
  - भविष्य के लिये वंश देने की प्रतिज्ञा (2 शमूएल 7:12–16; उत्पत्ति 21:12)
– दाऊद तथा सुलैमान के राज्य में परमेश्वर की आशीष उसके लोगों पर, चरम सीमा पर है
➢ स्थान – अपने लोगों के साथ परमेश्वरः मंदिर
– परमेश्वर के लोग परमेश्वर के देश में स्थापित
– परमेश्वर के शहर में परमेश्वर की उपस्थिति
  - तम्बू से मन्दिर तक
    - दाऊद को मन्दिर की प्रतिज्ञा
    - सुलैमान के द्वारा तैयार किया गया मन्दिर
– परमेश्वर के लोगों के साथ परमेश्वर के निवास की स्थापना
  - लोग उसकी महिमा का सामना करते हैं
  - लोग अपनी आराधना को व्यक्त करते हैं
➢ उद्देश्य – उसके अभिषेक द्वारा परमेश्वर की महिमा सब लोगों पर प्रकट होती है।
– सभी राज्यों में अपनी प्रसिद्धि के लिये, परमेश्वर दाऊद को अपनी वाचा दोबारा देता है (2 शमूएल 7:22–24)।
– सभी राज्यों के लोगों में अपनी महिमा व्यक्त करने के लिये परमेश्वर मन्दिर की स्थापना करता है (1 राजा 8:41–43)।
– सभी राज्यों में अपनी प्रसिद्धि को बढ़ाने के लिये परमेश्वर सुलैमान को समर्थन देता है (1 राजा 10:6–9)।

## शासनहीनता (1 राजा 12– 2 राजा; 2 इतिहास 10–एस्तेर)

➢ लोग–प्रधान तथा अप्रधान भविष्यवक्ताओं द्वारा परमेश्वर की आशीष व न्याय
– राजाओं द्वारा परमेश्वर अपनी वाचा की मध्यस्थता करता है।
  - वाचा की निष्ठा में आशीष
  - वाचा की निष्ठाहीनता में न्याय
– परमेश्वर अपनी वाचा की रक्षा भविष्यवक्ताओं द्वारा करता है।
– भविष्यवक्ता, आशीष तथा न्याय दोनों की भविष्यवाणी करते हैं...
  - परमेश्वर के लोगों के लिये एक नई बन्धुआई
  - परमेश्वर के लोगों के लिये एक नये निर्गमन के द्वारा करते हैं
    - निर्वासन से छुटकारा, मिस्र के छुटकारे जैसा ही है
    (यिर्मयाह 16:14–15; 23:7–8; यशायाह 43:15–21)
    - निर्गमन में परमेश्वर का कार्य जो लोग बंधुआई में हैं उनको परमेश्वर सांत्वना देता है (यशायाह 40:3–4; 41:17–20; 42:7; 43:1–2, 16–20; 48:20–21; 49:24–26; 51:9–11, 52:3–4, 11–12)।

- परमेश्वर के लोगों के लिये एक नई वाचा
  - अपने लोगों को हृदयों में परमेश्वर की व्यवस्था (यिर्मयाह 31:31–33)
  - अपने लोगों के जीवन में परमेश्वर की क्षमा (यिर्मयाह 31:34)

➢ स्थान – परमेश्वर अपने लोगों के साथः निर्वासन
- परमेश्वर अपने लोगों को याद रखेगा
- बंधुआई के द्वारा परमेश्वर अपने लोगों सामर्थ देता है
- शेष लोगों के द्वारा परमेश्वर अपने लोगों को कायम रखता है

– वह लोग उसके देश को लौटेंगे
- सिय्योन (यरूशलेम) की पुनःस्थापना उसके समान होगी...
- अदन की पुनःस्थापना (यशायाह 51:3; यहेजकेल 36:35)

– वह लोग उसके मन्दिर का पुनःनिर्माण करेंगे
- वो परमेश्वर की महिमा की महानता को दर्शायेगा (यहेजकेल 40–47)
- वो परमेश्वर के आत्मा के कार्य को दर्शायेगा (जकर्याह 4:6–9)

➢ उद्देश्य – परमेश्वर की महिमा सभी लोगों पर उसके अनुशासन द्वारा प्रकट होती है

– सभी राज्यों में परमेश्वर की महिमा कार्यान्वित होगी...
- उनके निर्वासन द्वारा (यहेजकेल 20:32–37; हबक्कूक 1:5–2:20)
- उनके जीवित रहने द्वारा (यशायाह 48:9–11)
- उनके लौटने के द्वारा (यहेजकेल 36:22–23; यशायाह 60:22)
- उनके उद्धार द्वारा (यशायाह 46:13; 49:6)

– परमेश्वर की महिमा सभी राज्यों में बांटी जायेगी...
- उसके सेवक से (यशायाह 42:1, 6–8)
- उसके पुत्र से (यशायाह 9:6–7)

## यीशु मसीह (मत्ती–यूहन्ना)

➢ लोग – यीशु मसीह द्वारा परमेश्वर की आशीष तथा न्याय

– यीशु मसीह अपनी सेवकाई की उद्घोषण करते हैं, 'समय आ गया है परमेश्वर का राज्य निकट है।'

– यीशु मसीह पुराने नियम की पहेली को सुलझा देते हैं (निर्गमन 34:6–7, रोमियों 3:21–26)

– वंशावली...
- वह आदम के वंशज से पुत्र है
- वह इब्राहीम के वंशज का अंश है
- वह दाऊद के वंशज से राजा है

– सम्पूर्ण चित्रण...
- वह हमारा भविष्यवक्ता है (व्यवस्थाविवरण 18:15; प्रेरितों के काम 3:22; इब्रानियों 1:1–2)
  - वह वचन को प्रकट करता है
- वह हमारा याजक है (इब्रानियों 4:14–5:10)
  - वह हमारा अपराध–बोध दूर करता है
- वह हमारा राजा है (यिर्मयाह 23:5–6)
  - वह प्रभु के समान राज्य करता है

➢ स्थान – परमेश्वर अपने लोगों के बीच मेंः देहधारण करना

– परमेश्वर अपने लोगों के बीच में रहता है

– यीशु मसीह के दावे...
- मैं तम्बू हूं (यूहन्ना 1:1–14)
- मैं मन्दिर हूं (यूहन्ना 2:13–22)

  मंदिर– परमेश्वर और मनुष्य में करीबी संयुक्तता

  यह यीशु है

➢ उद्देश्य – अपने उद्धार के द्वारा परमेश्वर की महिमा सब लोगों पर प्रकट होती है
  - वह पूरे संसार के लिये परमेश्वर का मेम्ना है (यूहन्ना 1:29)
  - वह संसार में परमेश्वर की महिमा की उपलब्धि है

– नीतिवचन 30:4– "कौन स्वर्ग में चढ़कर फिर उतर आया? किसने वायु को अपनी मुट्ठी में बटोर रखा? किसने महासागर को अपने वस्त्र में बांध लिया? किसने पृथ्वी के छोर को ठहराया? उसका और उसके पुत्र का नाम क्या है? यदि तू जानता है तो बता।"
– दानिय्येल 7:13–14 – "मैंने रात में स्वप्न में देखा कि मनुष्य की सन्तान सा कोई आकाश के बादल समेत आ रहा है और यह उस प्राचीन के पास आ पहुंचा और उसको वे उसके समीप लाये। तब उसको ऐसी प्रभुता, महिमा व राज्य दिया गया कि देश देश व जाति जाति के लोग और भिन्न भिन्न भाषा बोलने वाले सब उसके अधीन हों उसकी प्रभुता सदा तक अटल और उसका राज्य अविनाशी ठहरा।"
– वह संसार के लिये परमेश्वर की योजना का प्रकाशमान केन्द्र है
उसकी सुन्दरता देखिये...
  - वह परमेश्वर की पूर्वानुमानित महिमा है
  - वह शाश्वत महिमावान परमेश्वर है

**वर्तमान**

➢ लोग – कलीसिया द्वारा परमेश्वर की आशीष तथा न्याय
– ख्रिस्त हमारा भविष्यवक्ता...
  - अब हम उसके प्रवक्ता हैं (प्रेरितों के काम 1:8)

– ख्रिस्त हमारा याजक...
  - अब हम उसके याजकों का राज्य है (1 पतरस 2:5–9, रोमियों 15:14–16)

– ख्रिस्त हमारा राजा ...
  - अब हम उसके वारिस हैं (गलातियों 3:26–4:7)

– ख्रिस्त हमारा न्यायी
  - हम उसके न्याय के अधीन हैं (यूहन्ना 5:21–27)

➢ स्थान – परमेश्वर अपने लोगों के अन्दर है – देह
– भविष्यवक्ताओं ने परमेश्वर के मन्दिर के पुनःनिर्माण की भविष्यवाणी की थी
  - यह परमेश्वर की महिमा की महानता को दर्शायेगा (यहेजकेल 40–47)
  - यह परमेश्वर के आत्मा के कार्य को प्रदर्शित करेगा (जकर्याह 4:6–9)

– परमेश्वर का मन्दिर और हमारी देह...
  - हम परमेश्वर की महिमा की महानता को दर्शाते हैं (1 कुर. 3:16–17; 2 कुर. 6:16)
  - हम परमेश्वर के आत्मा के कार्य को दर्शाते हैं (1 कुर. 6:18–20)

– परमेश्वर का मन्दिर और हमारा मिशन...
  - सभी राज्य मन्दिर में आयेंगे (1 राजा 8:41–43)
  - अब मन्दिर पृथ्वी की छोर तक पहुंचे रहे हैं (प्रेरितों के काम 1:8)

➢ उद्देश्य – सब लोगों को परमेश्वर की महिमा की अधिकता होगी
  - यीशु मसीह का उद्देश्य : राज्य की स्थापना
  - हमारा उद्देश्यः राज्य का विस्तार
    - यूहन्ना 20:21, जैसा कि पिता ने मुझे भेजा था उसी प्रकार से मैं तुम्हें भेजता हूँ
    - सभी जातियों को शिष्य बनाओ
      - जाकर सभी लोगों को राज्य की घोषणा करो
      - सब लोगों के सामने राज्य का नमूना दो – बपतिस्मा
      - सब लोगों के सामने राज्य का विस्तार करो – पढ़ाओ
  - परमेश्वर पुराने नियम तथा इस्राएल से सीखने में हमारी सहायता करे और परमेश्वर की आशीष को परमेश्वर के उद्देश्य के साथ जोड़ें

**भविष्य**

- ➢ लोग – परमेश्वर की अंतिम आशीष तथा न्याय
  - राज्य की परिपूर्ति (प्रकाशितवाक्य 20:11–21:8)
    - स्वर्ग राजा की शाश्वत आशीष का विशिष्ट उदारहण है
    - नरक राजा की शाश्वत न्याय का विशिष्ट उदाहरण है
  - राज्य की पुकारः
    - पश्चाताप करो क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट है (मत्ती 4:17)
  - राज्य का अंगीकार...
    यदि तू अपने मुंह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे और मन में विश्वास करे कि परमेश्वर ने उसे मरे हुये में से जिलाया, तो तू निश्चय उद्धार पायेगा (रोमियों 10:9)
- ➢ स्थान – परमेश्वर अपने लोगों के साथ अपने लोगों मेंः छुड़ाये हुए देह में
  - हम उसके राज्य में सहभागी हैं (प्रकाशितवाक्य 22:1–5)
    - अदन की महिमा पुनः स्थापित होती है (उत्पत्ति 3:24)
    - सिय्योन की महिमा का आभास (यशायाह 35:10, इब्रानियों 12:22–24)
  - हम उसके राज्य के संगी वारिस हैं (रोमियों 8:17)
    - हम उसके है (जकर्याह 13:9)
    - वह हमारा है (जकर्याह 13:9)
  - हम संगी राज्य करने वाले हैं (प्रकाशितवाक्य 5:10; 2 तीमुथियुस 2:12)
    - हमारा सम्बन्ध परमेश्वर के साथ पूर्णतया पुनःस्थापित हुआ है
      - पूर्ण दोष से पूर्ण निष्कलंक
      - नीच लज्जा से उच्च आदर के साथ
      - स्थायी भय से स्थायी शान्ति तक
    - मनुष्य के साथ हमारा सम्बन्ध पूर्णतया नया हो गया है
    - हमारे अड़ोस–पड़ोस के साथ हमारा सम्बन्ध पूर्णतया बचाया गया है
- ➢ उद्देश्य – सब राज्यों द्वारा परमेश्वर की महिमा का आनन्द लेना
  - परमेश्वर के राज्य की पूर्णता
    - परमेश्वर के लोग.....
    - परमेश्वर के स्थान में.....
    - परमेश्वर के उद्देश्य को पूरा कर रहे हैं

*"इसके बाद मैंने दृष्टि की और देखा हर एक जाति, और कुल और लोग और भाषा में से एक ऐसी बड़ी भीड़ जिसे कोई मिल नहीं सकता था श्वेत वस्त्र पहिने और अपने हाथों में खजूर की डालियां लिये हुये सिंहासन के सामने और मेम्ने के सामने खड़ी है और बड़े शब्द से पुकार कर कहती है कि उद्धार के लिये हमारे परमेश्वर का जो सिंहासन पर बैठा है और मेम्ने का जयजयकार हो। और सारे स्वर्गदूत उस सिंहासन और प्राचीनों और चारों प्राणियों ने चारों ओर खड़े हैं वे सिंहासन के सामने मुंह के बल गिर पड़े और परमेश्वर को दण्डवत करके कहा आमीन! हमारे परमेश्वर की स्तुति, महिमा और ज्ञान और धन्यवाद और आदर और सामर्थ और शक्ति युगानुयुग बनी रहे। आमीन!"* प्रकाशितवाक्य 7:9–12

## अफ्रीका

अफ्रीका एक आश्चर्यपूर्ण विविध महाद्वीप है। इसमें लगभग 800 विभिन्न व्यक्ति हैं जो 53 विभिन्न राज्यों में रहते हैं। 3500 से ज्यादा जनजाति के समूह हैं और इस महाद्वीप के 77% निवासी काले लोग हैं। यद्यपि संसार की जनसंख्या का केवल 13% ही अफ्रीका की जनसंख्या है, यह 2100 भाषाओं का गौरव रखता है – संसार की लगभग एक तिहाई देशी भाषाएं। अफ्रीका दो मुख्य भागों में बंटा है –

उत्तरीय अफ्रीका जो बाकी बची हुई 47 देशों से बना है। अफ्रीका में 84 शहर हैं जिनमें 1 मिलियन से ज्यादा निवासी हैं, इनमें से 4 में 10 मिलियन से अधिक है।

1990 में, युद्ध ने 19 राज्यों पर गहरा प्रभाव छोड़ा। 2000 में, संसार के सबसे अधिक सक्रिय युद्ध अफ्रीका में हुये थे। सिएरा लियोन, लाइबेरिया, कांगो – डी. आर. सी., बुरुंडी, रवांडा, सूडान, इरीट्रिया और सोमालिया जैसे स्थानों ने बहुत अधिक विनाश और घातक दशाओं का सामना किया है। कई मिलियन शरणार्थी हो गये। 'प्रजातीय सफाई' ने दुखद रक्तचाप मचाया, शरणार्थियों तथा बाल–सैनिकों वाली सेनाओं के बहाव ने रवांडा, बुरुंडी, कांगो, लाइबेरिया, सिएरा लियोन, सूडान और युगांडा को भर दिया। हिंसक इस्लामिक आन्दोलनों ने पूरे महाद्वीप को उत्तर में अल्जीरिया से दक्षिण अफ्रीका तक, बहुत युद्ध, केन्या में आतंकवादी आक्रमण, सूडान में मसीहियों के विरूद्ध जिहाद और उत्तरीय नाइजीरिया मसीहियों की हिंसक, हत्या केवल कुछ प्रमाण हैं।

यह सब होने पर भी, सब सहारान अफ्रीका में, 20वीं शताब्दी में, अधिकांश लोगों का धर्म मसीहीयत ही हुआ। 1990 में 8 मिलियन मसीही (अफ्रीका की जनसंख्या का केवल 10%), 2000 तक 351 मिलियन थे (अफ्रीकी की जनसंख्या का 48.4% – सब–सहारन अफ्रीका का 60%)

## अल्जीरिया

जनसंख्याः 31.5 मिलियन जन–जाति समूहः 43
प्रधान धर्मः मुस्लिम भाषाएंः अरैबिक; बरबर फ्रैंच
गैर–मसीहीः 99.7% मसीहीः 0.3%
क्षेत्रफलः 2,381,741 स्कै. कि.मी. एटलस पर्वतों और मरू उद्यानों में भूमध्य सागरीय तट पर खेती सम्भव है। 80% मरूस्थल है।
विवरणः सुसमाचार का विरोध बहुत अधिक है। 160 वर्षों से अधिक समय से, एक दृढ़ पीढ़ी के धर्मप्रचारकों की अश्रुपूर्ण बुवाई (रोपण) ही अब फल ला रही है। उत्तरी अफ्रीकियों के पास 'मसीही' विजय, उपनिवेशिता, और अत्याचारों की लम्बी तथा कटु यादें हैं। प्रार्थना कीजिये कि शताब्दियों से चली आ रही असम्मति तथा पक्षपात अब दूर हो और लोगों के हृदय सुसमाचार के लिये तैयार हों। हिंसक गृह–युद्ध के दौरान लगभग 100,000 असैनिक व्यक्तियों की नृशंस हत्या कर दी गई। राज्य का कोई भी भाग इस मार–काट से बच नहीं पाया। फिर भी, इस युद्ध में कोई भी धर्मप्रचारक मसीही नहीं मरा। प्रजातन्त्र के लिये लम्बे समय से संघर्ष चल रहा है पर विफल हो गया। कई वर्षों की तानाशाही के बाद, कई लोगों ने इस्लाम में इस समस्या का हल ढूंढ़ा जो शरिअत का कानून थोपना, यह तो इस देश पर एक और अत्याचार है। अल्जीरिया के लोगों के लिये राजनैतिक, धार्मिक और आत्मिक स्वतन्त्रता के लिये प्रार्थना कीजिये।

## अंगोला

जनसंख्याः 12.8 मिलियन जाति समूहः 39
प्रधान धर्मः रोमन कैथोलिक भाषाएंः पुर्तगाली
गैर–मसीहीः 62% मसीहीः 38%
क्षेत्रफलः 1,246,700 स्कै. कि.मी. एक तटीय प्रदेश है जो अटलांटिक तक कांगो –डी. आर. सी. और जाम्बिया के व्यापार–मार्गों को सशक्त करता है।
विवरणः 1962 से लगातार युद्ध होने के कारण सर्वनाश हुआ, और 1999 तक 100,000 छिन्नांग थे। बहुत व्यापक अकाल के कारण, ग्रामीण जनसंख्या का बहुत बड़ा अंश शहरी क्षेत्रों में पलायन कर गया। मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और आत्मिक घाव अधिक हानिकारक तथा देर तक रहने वाले होते हैं। लुआंडा और दूसरे बड़े शहर शरणार्थियों के घर बन गये थे, जो बहुत मलिन निराशा में रह रहे थे। कई अनाथ तथा छोड़े हुये बच्चे जीवित रहने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। युद्ध से कई पीड़ित लोग सड़कों पर आक्रामकता से भीख मांगते हैं। उन कलीसियाओं तथा एजेन्सियों के लिये प्रार्थना करें जो इनकी पीड़ा को कम कर रहे हैं। कई वर्षों से मसीहियों ने बहिष्कार, अनुचित व्यवहार, भेदभाव और उत्पीड़नों को सहा है। युद्ध की कठोर वास्तविकताएं और 1990 में साम्यवाद के सैद्धान्तिक पतन के कारण मसीहीयों के विरूद्ध भेदभाव में कुछ कमी आई है। अपनी निराशा तथा गरीबी के होते हुये भी हजारों ने यीशु मसीह पर विश्वास किया। प्रशिक्षित और धार्मिक नेतृत्व का अभाव सबसे बड़ी गम्भीर समस्या है जो कलीसिया की वृद्धि और परिपक्वता को सीमित कर देती है।

## बेनिन

जनसंख्याः 6.1 मिलियन
जाति–समूहः 56
प्रधान धर्मः प्रजातीय पंथ
भाषाएंः फ्रैंच, फॉन, डेन्ही
गैर मसीहीः 95%
मसीहीः 5%

क्षेत्रफलः 112,600 स्कै. कि.मी. एक लम्बा व सकरा देश जो नाइजीरिया और टोगो के बीच घुसा हुआ है

विवरणः बेनिन में किसी के पास मसीही बहुमत नहीं है और धार्मिक विश्वासी बहुत कम हैं। अफ्रीका में सबसे अधिक संख्या में पारम्परिक धर्मों के अनुयायी बेनिन में हैं। यह अफ्रीका में सबसे कम इसाई धर्म के गैर मुस्लिम प्रदेश है। हाल ही की, कलीसिया की वृद्धि से कई नये मसीही उत्पन्न हुये हैं परन्तु इससे बाइबल सिखाने और पवित्रता के जीवन को दर्शाने वाले प्रशिक्षित नेताओं की कमी हो गई है। कई गांव तथा कबीले पुरोहितों या मिश्नरीयों की मांग करते हैं जो उनके अक्सर मिले जुले विश्वास को हटाकर एक धर्मशास्त्रीय मसीहियत को दिखायें। अभी भी बाइबल के अनुवाद की एक बड़ी आवश्यकता है। बेनिन की 56 भाषाओं में से लगभग आधी भाषाओं में बाइबल नहीं है।

**बोत्स्वाना**

जनसंख्याः 1.6 मिलियन जाति समूह 8
प्रधान धर्मः मसीही भाषाएंः अंग्रेजी, स्वाना
गैर–मसीहीः 33% मसीहीः 66%
क्षेत्रफलः 581,730 स्कै. कि.मी. कालाहारी मरूस्थल देश का 80% भाग ढांपता है।
विवरणः स्वाना के अधिकतर लोग केवल नाम से ही मसीही हैं, जो टूटे हुये पारिवारिक जीवन के कारण स्वयं को अनैतिकता और नशे के हाथों में दे चुके हैं। कई क्षेत्रों में, 90% से ज्यादा बच्चे गैर कानूनी हैं। नैतिक पतन के परिवर्तन के लिये प्रार्थना कीजिये। वयस्कों को आत्मिक सहायता की आवश्यकता है। किशोरियों की गर्भावस्था बहुत सामान्य बात है। एकल माता/पिता की सन्तान को एच. आई. वी. + और गरीब होने की ज्यादा सम्भावना है। एड्स तो एक भयंकर अभिशाप बन गया है। चारों ओर फैले व्यभिचार ने बीमारी को जनसंख्या के 30–35% लोगों में तेजी से फैला दिया है। परिणाम – 1999 तक 60,000 अनाथ–एड्स द्वारा। 2000 में 5 वर्ष से नीचे जिन बच्चों की मृत्यु हुई उनमें से 60% एड्स के द्वारा मरे। प्रोटेस्टंट कलीसिया अपनी गणना नहीं कर रहे हैं। नामवाद बहुत व्यापक है। कई सभाओं में पुरूष कम हैं। अफ्रीकी स्वदेशीय कलीसिया बहुत अधिक हो गये हैं। इनका जोर चंगाई पर है (विशेषकर एड्स) और स्थानीय संस्कृति अक्सर मिले जुले विश्वास को जन्म देती है। कई लोग उन लोगों से जो कम शिक्षित है या कम धार्मिक प्रशिक्षण हैं, प्रेरित हो जाते हैं।

## बुर्कीना फासो

जनसंख्याः 31.5 मिलियन जनजाति समूहः 43
प्रधान धर्मः मुस्लिम भाषाएंः अरैबिक; बरबर फ्रैंच
गैर–मसीहीः 99.7% मसीहीः 0.3%
क्षेत्रफलः 2,381,741 स्कै. कि.मी. एटलस पर्वतों और मरू उद्यानों में भूमध्य सागरीय तट पर खेती सम्भव है। 80% मरूस्थल है।

विवरणः सुसमाचार का विरोध बहुत अधिक है। 160 वर्षों से अधिक समय से, एक दृढ़ पीढ़ी के धर्मप्रचारकों की अश्रुपूर्ण बुवाई (रोपण) ही अब फल ला रही है। उत्तरी अफ्रीकियों के पास 'मसीही' विजय, उपनिवेशित, और अत्याचारों की लम्बी तथा कटु यादें हैं। प्रार्थना कीजिये कि शताब्दियों से चली आ रही असम्मति तथा पक्षपात अब दूर हो और लोगों के हृदय सुसमाचार के लिये तैयार हों। हिंसक गृह–युद्ध के दौरान लगभग 100,000 असैनिक व्यक्तियों की नृशंस हत्या कर दी गई और कोई भी धर्मप्रचारक मसीही नहीं मरा। प्रजातन्त्र के लिये लम्बे समय से संघर्ष चल रहा है, पर विफल हो गया। कई वर्षों की तानाशाही के बाद, कई लोगों ने इस्लाम में इस समस्या का हल ढूंढ़ा जो शरिअत का कानून थोपना, यह तो इस देश पर एक और अत्याचार है। अल्जीरिया के लोगों के लिये राजनैतिक धार्मिक और आत्मिक स्वतन्त्रता के लिये प्रार्थना कीजिये।

## बुरुंडी

जनसंख्याः 12.8 मिलियन जाति समूहः 43
प्रधान धर्मः रोमन कैथोलिक भाषाएंः पुर्तगाली, बरबर फ्रैंच
गैर–मसीहीः 62% मसीहीः 38%
क्षेत्रफलः 1,246,700 स्कै. कि.मी. एक तटीय प्रदेश है जो अटलांटिक तक कांगों–डी. आर. सी. और जाम्बिया के व्यापार–मार्गों को सशक्त करता है।
विवरणः 1962 से निरन्तर युद्ध बहुत विनाशकारी रहा। कर्मचारी विरोध सुरंग–बमों की संख्या जनसंख्या से ज्यादा थी और 1999 तक 100,000 छिन्नाग थे। बहुत व्यापक अकाल के कारण, ग्रामीण जनसंख्या का बहत बड़ा अंश शहरी क्षेत्रों में पलायन कर गया। मनोवैज्ञानिक सामाजिक और आत्मिक घाव अधिक हानिकारक तथा लम्बे समय तक दुःख देते रहने वाले होते हैं। लुआंडा और दूसरे बड़े शहर शरणार्थियों के घर बन गये थे, जोकि बहुत मलिन निराशा में रह रहे थे। कई अनाथ तथा छोड़े हुये बच्चे जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। युद्ध से कई पीड़ित लोग सड़कों पर आक्रामकता से भीख मांगते हैं। उन चर्चों के लिये प्रार्थना करें जो इनकी पीड़ा को कम करते हैं। कई वर्षों से, मसीहियों ने बहिषकार, अनुचित व्यवहार, भेदभाव और उत्पीड़नों को सहा है। युद्ध की कठोर वास्तविकताएं और 1990 में साम्यवाद के सैद्धान्तिक पतन के कारण मसीहियों के विरूद्ध भेदभाव में कुछ आई है। निराशा तथा गरीबी के होते हुए भी हजारों लोगों ने यीशु मसीह पर विश्वास किया है। प्रशिक्षित और धार्मिक नेतृत्व का अभाव सबसे बड़ी गम्भीर समस्या है जो कलीसिया की वृद्धि और परिपक्वता को सीमित कर देती है।

**कैमेरून**

जनसंख्याः 58.5 मिलियन जाति समूहः 11
प्रधान धर्मः मसीही, मुस्लिम भाषाएंः फ्रैंच, अंग्रेजी
गैर मसीहीः 34% मसीहीः 66%
क्षेत्रफलः 475,442 स्कै. कि.मी. पश्चिम और मध्य अफ्रीका के बीच में महाद्वीपीय द्वार–सन्धि पर
विवरणः कुछ लोग इस बात का दावा करते हैं कि इस घटती पर कैमरून सबसे ज्यादा भ्रष्टाचारित राज्य है। सरकार, शासन–प्रणाली, पुलिस, कानूनी प्रणाली और व्यापार में भारी भ्रष्टाचार ने जीवन के स्तर को बहुत नीचा कर दिया है, आर्थिक वृद्धि को आशक्त कर दिया है और जनसंख्या के अधिकतम लोगों में निराशा तथा लाचारी को उत्पन्न कर दिया है। प्रार्थना करें कि इस राज्य की अगुवाई के लिये तथा इस राज्य को इसकी दयनीय अवस्था से ऊपर उठाने के लिये आवश्यक मौलिक सुधार लाने वाले सच्चे मसीही खड़े हो सकें। इस देश की सबसे बड़ी दुखद स्थिति इसके चर्चों की आत्मिक गरीबी है। केवल नाममात्र की मसीहीयत, इस भूमि पर एक बड़ी समस्या है। कैथोलिक, प्रैस्बीटेरीयनस, लूथरनस और बैपटिस्ट का प्रारम्भिक अग्रणी काम समझौते द्वारा और मुक्ति वाला धर्मशास्त्र के आगमन द्वारा नष्ट हो गया था। इन महान कलीसियाओं ने आत्मिक जीवन को खो दिया और उन लाखों लोगों के लिये अपने द्वार खोल दिये जिनका यीशु मसीह में कोई व्यक्तिगत विश्वास नहीं था और उन्हें यीशु मसीह के पास लाने वाला कोई भी नहीं था। जनजातीय संगठन, मूर्तिपूजक गतिविधियाँ, नशा और निम्न नैतिक स्तर स्थानिक बन चुके हैं।

## मध्य अफ्रीकी गणराज्य

जनसंख्या 3.6 मिलियन | जाति समूहः 8
प्रधान धर्मः मुस्लिम | भाषाएंः फ्रैंच, सांगो
गैर मसीहीः 70% | मसीहीः 30%
क्षेत्रफलः 622,436 स्कै. कि.मी. अफ्रीका के भौगोलिक केन्द्र में एक स्थल रूद्ध प्रान्त
विवरणः इसाई धर्म सम्बन्धी नामवाद और एक मिला–जुला सांसारिक दृष्टिकोण काफी सामान्य है। समर्पण की गहनता बहुत कम है धर्मशास्त्र के प्रयोग और उस पर मजबूत पकड़ बहुत कम है। चर्चों में विभाजन ने सामूहिक प्रयासों में रूकावट डाली है। जनजातीय प्रधान वर्गों ने जनजातीय संगठनों को बढ़ावा दिया है और अवरोधों को उत्पन्न किया है। चर्चों का धर्मसेवकों के बीच फैले हुये विभाजन ने गहन दुख उत्पन्न कर दिया है बंटवारे को बढ़ाया है और संस्थाओं को एक दूसरे से अलग कर दिया है। केवल 4 स्थानीय भाषाओं में (व्यापारी भाषा, सागों, ग्वया, गबई और जान्डे) पूरी बाइबल है। शीघ्र प्रसारित होने वाले संशोधित पुराने नियम के प्रभावशील प्रयोग के लिये और पुराने नियम के संशोधन के लिये जो अब हो रहा है प्रार्थना करें। अभी 6 दूसरी भाषाओं में भी बाइबल के अनुवाद का कार्य करने का निर्णय लिया गया है, पांच और भाषाओं में अनुवाद की निश्चित रूप से आवश्यकता है। 49 का अभी सर्वेक्षण होना जरूरी है।

**चाड**

जनसंख्याः 7.6 मिलियन जाति समूहः 43
प्रधान धर्मः मुस्लिम भाषाएंः फ्रैंच, अरैबिक
गैर मसीहीः 73% मसीहीः 27%

क्षेत्रफलः 1,284,000 स्कै. कि.मी., उत्तर में मरूस्थल, मध्य में शुष्क घास का क्षेत्र, दक्षिण में घनी झाड़ियों का क्षेत्र।

विवरणः धार्मिक स्वतन्त्रता एक बहुमूल्य वास्तविकता है, परन्तु यह देश की ध्रुवीकरण (व्यक्तियों को विपरीत विचार वाले समूहों में बांटना) के कारण संकट में हो जाती है। यहां की जनसंख्या लगभग बराबरी से, राजनैतिक रूप से प्रधान उत्तरीय मुस्लिम और अधिकारहीन दक्षिणिय मसीही/प्रजातीय धर्मों के बीच बंटी हुई है। इनकी संस्कृति बहुत भिन्न भिन्न है और इनका इतिहास ऐसा है। यद्यपि ज्यादातर पढ़ाई फ्रैन्च में ही होती है, उत्तरी क्षेत्र में कई लोग केवल अरैबिक ही पढ़ते हैं। पूरे देश में धार्मिक स्वतन्त्रता और विभिन्न धार्मिक तथा प्रजातीय समुदायों के बीच शान्ति के लिये प्रार्थना करें। प्रचण्ड विरोध को सहने के लिये मसीही तैयार नहीं है।

## कोमोरोस

जनसंख्याः 0.5 मिलियन जाति समूहः 3
प्रधान धर्मः मुस्लिम भाषाएंः अरैबिक, फ्रैन्च
गैर मसीहीः 99.2% मसीहीः 0.8%
क्षेत्रफलः 1,862 स्कै. कि.मी. गरीब खेतीबाड़ी वाली भूमि पर आसपास के समूहों में समुद्रीय जीवन समृद्ध है।
विवरणः यद्यपि यहां धार्मिक स्वतन्त्रता है और सीधा धर्म प्रचार का कार्य करने की अनुमति है, पर पहुंच का कार्य केवल माअरों तक ही सीमित है और प्रतिक्रिया भी धीमी है। प्रार्थना करें कि अड़चनें दूर हों और लोग अपने हाथों को खोलें। शी–बुशी बोलने वालों के लिये, जिन तक पहुंचना सम्भव नहीं है जो नई नई योजनायें बन रही हैं उनके लिये प्रार्थना करें। 2000 में राजनैतिक स्तर पर हुये परिवर्तन का परिणाम एक बड़ी फ्रैन्च निवेश हुआ जो समाज तथा पारम्परिक मूल्यों को चुनौती दे रहा है। प्रार्थना कीजिये कि यह स्थिति सुसमाचार के लिये भी एक अवसर बन जाये। कोमोरोस में व्यवस्थित प्रोटेस्टन्ट कलीसिया केवल दो धार्मिक समूह ही है – मालागसी के ऊपर ग्रैन्ड कोमोस तथा मायोट्ट के बीच में, मायोट्ट में असैम्बलीस ऑफ गॉड, और कहीं और स्थानों पर अकेले रहते हुये मसीही। कलीसिया की उचित कार्यनीति के रोपण के लिये प्रार्थना करें ताकि इस कार्यनीति के प्रयोग द्वारा कुछ परिपक्व माओर विश्वासी सरलता से स्वीकृत हो जायें और साथ ही अधिकतम लोगों के साथ अपने सांस्कृतिक सम्बन्ध भी रखें।

## कांगो

जनसंख्याः 2.9 मिलियन
जाति समूहः 4
प्रधान धर्मः मसीही
भाषाएंः फ्रैन्च, लियाला, क्रीयोल
गैर मसीहीः 8.8%
मसीहीः 91.2%

क्षेत्रफलः 342,000 स्कै. कि.मी. डेमोक्रेटिक रीपब्लिक ऑफ कांगो (कांगो–ज़ायर) के उत्तर पश्चिम में जिसके साथ अक्सर इसका भ्रम होता है।

विवरणः साम्यवाद तानाशाही के दो दशक और उसके बाद एक दुर्बल तथा विफल होती हुई प्रजातन्त्र और गृह–युद्ध ने इस प्रदेश का विनाश कर दिया है। कलीसिया के नौ अगुवों के सदस्यों की टीम के छः सदस्य जो 1998 में मध्यस्थता कर रहे थे, मार डाले गये। राष्ट्रीय सामंजस्य के लिये प्रार्थना करें कई वर्षों की लड़ाई में उन लोगों के पश्चाताप और परिवर्तन के लिये जिन्होंने हिंसा को भड़काया और 300,000 + शरणार्थी के पुनः स्थापना के लिये प्रार्थना करें। पुनः स्थापना कलीसिया की आवश्यकता है। कई चर्चों का नष्ट होना और युद्ध के समय हजारों मसीहियों का शहरों से भाग जाना, परमेश्वर की उपस्थिति पर एक प्रश्न और बहिष्कार की एक भावना–कई मसीहियों ने अपने विश्वास के साथ समझौता किया। परमेश्वर में विश्वास तथा अवलोकन शक्ति और एक नये जीवन के लिये प्रार्थना करें। समर्पित मसीहियों के नेतृत्व के कार्य के लिये नियुक्त होने के लिये भी प्रार्थना करें। मार्क्सवाद के दिनों में वयस्कों को कोई भी धार्मिक कार्य नहीं दिया गया और इसके बाद आने वाले वर्षों में कुछ कलीसियाओं ने बच्चों या वयस्कों को यह कार्य विकसित किये।

## डेमोक्रेटिक रीपब्लिक ऑफ कांगो

जनसंख्याः 51.6 मिलियन जाति समूहः 43
प्रधान धर्मः मसीही भाषाएंः फ्रैन्च, अंग्रेजी, स्वाहिली
गैर मसीहीः 5% मसीहीः 95%
क्षेत्रफलः 2,344,858 स्कै. कि.मी. कांगों में काफी कांगों नयी प्रणाली हैं और काफी सैन्ट्रल अफ्रिकन वर्षा के वन भी हैं।
विवरणः कांगों के युद्ध ने सात राष्ट्रों की सेनाओं को उलझा दिया है और स्थानीय आन्तरीय संघर्ष तथा युद्ध की भावना को उकसा दिया है। रवांडा हुत्तु मानवीय संहार करने वालों को मारता रहता है, यूगान्डा उत्तर–पूर्व की सम्पदा का शोषण करता है सूडान यूगान्डा को नुकसान पहुंचाता रहता है अंगोला कांगो में विद्रोहियों के केन्द्रों को समाप्त करने को निशाना बनाता रहता है और जिम्बाबवे की सेना अपने प्रमुख अफसरों तथा राजनेताओं को समृद्ध बनाती रहती है। अधिकांश देश युद्ध का क्षेत्र बन गया है। ऐसा अनुमान है कि युद्ध, हिंसा, भुखमरी और स्वास्थ्य प्रणाली की विफलता के कारण लगभग तीन रवांडा, बुरुंडी और कांगो के शरणार्थी अपने देश से दूर, आसपास के देशों में फैल चुके हैं। प्रार्थना करें कि संघर्ष व युद्ध से लाभान्वित मजबूत स्थिति बनाते हुये स्थिर रहने वाली रूचियों के बावजूद भी शान्ति व युद्ध विराम की मध्यस्थता करने वाले अन्तर्राष्ट्रीय प्रयास सफल हो सकें। एक ऐसे देश में जहां मसीहियों की इतनी ज्यादा गिनती है मानवीय पाप तथा शैतानी शक्ति के मेल से इतना विनाश तथा कष्ट, लालच, क्रूरता और भ्रष्टाचार फैला हुआ है।

## कोट डिलवोइर

जनसंख्याः 14.7 मिलियन जाति समूहः 75
प्रधान धर्मः मुस्लिम भाषाएंः फ्रैन्च, जूला
गैर–मसीहीः 60% मसीहीः 40%
क्षेत्रफलः 320,763 स्कै. कि.मी. पश्चिम अफ्रिकन तट पर घाना तथा लाइबेरिया के बीच।
विवरणः कैथोलिक कलीसिया ने, एक सुविस्तृत शिक्षा प्रणाली द्वारा बहुत गहन प्रभाव डाला है परिणामस्वरूप कई आइवायरनस नाममात्र के लिये कैथोलिक हो गये हैं। दक्षिण में और उच्च व मध्यम वर्गों में कैथोलिकस एक बड़ी अल्पसंख्या में है। उद्धारकर्ता के साथ एक व्यक्तिगत सम्बन्ध की कमी है। कैथोलिक कलीसिया में एक आकर्षक अभियान अच्छी तरह से स्थापित है। संख्या में स्पष्ट कमी होने पर भी, यहां पर आत्मावाद अभी भी बहुत दृढ़ है। 4000 धार्मिक कलीसिया हैं, पर 500 पूजा के गृह हैं। कई मसीही अभी भी आत्मवाद तथा पूजा–वस्तु से प्रभावित है, और उन्होंने यीशु मसीह में अपने जीवन तथा अपनी गवाही के साथ समझौता किया है। प्रार्थना करें कि वह सब जिन्होंने अपना बीता हुआ समय पूरी तरह से नहीं छोड़ा है अब यीशु मसीह की सामर्थ से पूर्णतया छुड़ाये जायें। प्रार्थना करें कि विश्वासी पुरानी प्रथाओं को फिर से अपनाने का प्रतिरोध कर सकें। धार्मिक प्रचारकों में एकता तथा सहयोग के लिये प्रार्थना करें। अगर प्रदेश को प्रभावित रूप से धार्मिक होना और कलीसिया को परिपक्व होना है तो सामुदायिक अन्तर और प्रतिस्पर्धा को एक तरफ हटाकर सहभागिता और सामूहिकता को सामने लाना होगा।

## जिबूती

जनसंख्याः 0.6 मिलियन जाति समूहः 4
प्रधान धर्मः मुस्लिम भाषाएंः अरैबिक, फ्रैन्च
गैर मसीहीः 95% मसीहीः 5%
क्षेत्रफलः 23,200 स्कै. कि.मी. एक गर्म, सूखा इथिओपिया, इरीट्रिया और सोमालिया से घिरा हुआ।
विवरणः अफ्रीका का यह तीसरा छोटा राज्य है जो प्रचण्ड क्षेत्र में शान्ति का आश्रय है। मसीही गवाही के लिये यह एक मुख्य अड्डा है। प्रार्थना करें कि वर्तमान स्वतन्त्रता, होन ऑफ अफ्रीका और इस्लाम द्वारा धीरे–धीरे नष्ट न हो। जैसे जैसे आर्थिक स्थिति में पता होता है इस्लाम की आवाज उतनी ही तेज हो जाती है। इथोपियन शरणार्थी अक्सर नियंत्रित है। कई कट्टर मसीही हैं। उनमें पांच बहुत ही सजीव धार्मिक समुदाय है जिनमें कई लोगों की गवाह होने की तीव्र इच्छा है। प्रार्थना करें कि वह अपनी गवाही में उचित तथा प्रभावशाली हों। सोमाली तथा आफार के कुछ विश्वासी अलग–थलग हैं और जिन्हें अपने सम्बन्धियों के दबाव का कवर उठाना पड़ता है। अधिकांश बिना नौकरी के हैं और कुछ अशिक्षित हैं। सोमाली तथा आकार में शिक्षा की योजनाओ तथा धर्मशास्त्र के प्रभावशाली उपयोग के लिये प्रार्थना करें। सोमालिया के विश्वासी एक साथ बाइबल अध्ययन के लिये नियमित रूप से मिलते जुलते रहते हैं प्रार्थना करें कि इन विश्वासियों के लिये प्रार्थना करें जिन्हें हम 2010 में जिबूती में भेजने के लिये समर्थ बना रहे हैं।

## मिस्र

जनसंख्याः 68.4 मिलियन जाति समूहः 11
प्रधान धर्मः मुस्लिम भाषाएंः अरबी
गैर मसीहीः 88% मसीहीः 12%
क्षेत्रफलः 997,739 स्कै. कि.मी. अधिकतम मरूस्थल, केवल 3% भूमि ही कृषि योग्य है नाइल नदी के डेल्टा तथा तटों के किनारे और पश्चिमी मरूस्थल के मरूउद्यानों के चारों ओर।
विवरणः पिछले 1000 सालों से अधिक, 640 ई.सन् में अरब–मुस्लिम विलय के बाद भी, मिस्र एक बहुसंख्यक–मसीही देश रहा है। मिस्र देश ने मसीही संसार को अपने बहुत महान आध्यात्मिक व्यक्ति और मठ सम्बन्धी अभिमान दिये हैं। प्राचीन मिस्री मत वाले मसीही, उन लोगों से जो अपने अरबी विजेताओं के धर्म का अनुसरण करते हैं, ज्यादा सच्चे मिस्री हैं। ऐतिहासिक विवरणों से मिस्र की महान मसीही धरोहर को मिटाने के लिये हर सम्भव प्रयत्न किये गये। कलीसिया के आकार को महत्व को काम किया गया और समाज को इसकी देने का महत्व कम दिया गया है। प्रार्थना करें कि इस धरोहर की खोज में कई लोग मसीह की तरफ फिर से लौट सकें।

## इक्यूटोरियल गिनी

जनसंख्याः 0.5 मिलियन जाति समूहः 12
प्रधान धर्मः मसीही भाषाएंः स्पैनिश, फ्रैन्च
गैर मसीहीः 5% मसीहीः 95%
क्षेत्रफलः 28,051 स्कै. कि.मी. एक छोटा घिरा हुआ प्रदेश, मुख्य भूमि पर रियो मुनि और गिनि की खाड़ी में कई टापू, बिओको को मिलाकर

विवरणः 1970 की विचित्र तानाशाही से यहां की जनसंख्या को बहुत आघात पहुंचा और आर्थिक स्थिति छिन्न भिन्न हो गई। बाद में निर्मित सरकार ने कुछ सुधार किये हैं परन्तु भ्रष्टाचार तथा अन्याय का स्तर बहुत ऊँचा रहा और राष्ट्रीय जीवन सरकार द्वारा ही नियन्त्रित है। परिवर्तन के लिये और एक शासन के लिये प्रार्थना करें जो लोगों का हित चाहते हो। उत्पीड़ित कलीसिया भी इससे बचा न रहा। कलीसिया के अगुवा लोगों को समझौता करने या कष्ट उठाने के लिये मजबूर किया जाता था। दुखद रूप से कई प्रोटेस्टंट कलीसिया के अगुवे पाप में पड़ गये और उन्होंने अपने झुण्डों के आत्मिक पालन पोषण से ज्यादा सामर्थ की राजनीति में ज्यादा रूचि दिखाई। परमेश्वर के लोगों के लिये प्रार्थना करें जो सच्चाई के लिये निडर हो और जो चर्चो (कलीसिया) को परमेश्वर के साथ एक सजीव सम्बन्ध में वापस लाने के लिये खड़े हो सकें। 1980 से धार्मिक स्वतन्त्रता बढ़ती ही रही है और काफी संख्या में नये पेन्तीकोस्टल, आकर्षक और धार्मिक समुदाय बनकर आगे बढ़ चुके हैं।

## इरीट्रीया

जनसंख्याः 3.8 मिलियन जाति समूहः 11
प्रधान धर्मः मुस्लिम भाषाएंः टिगरिन्या, अरबी
गैर मसीहीः 53% मसीहीः 47%
क्षेत्रफलः 121,100 स्कै. कि.मी. सूखा, पर्वतीय, शीतोवण पढार और लाल समुद्र तट के साथ–साथ गर्म मरूस्थलीय नीचे मैदान
विवरणः यमन तथा इथोपिया के साथ सघर्षों में शान्ति तथा राष्ट्रीय पुनःप्राप्ति के लिये मृत्यु का कारण है जो भीषण खदंग युद्ध में मारे गये। दोनों राष्ट्रपति टिगरिन्या के हैं ओर एक समय दोनों मित्र थे। नेतृत्व कर्ताओं के लिये प्रार्थना करें कि वह नम्रता तथा समझौते के लिये इच्छा दिखायें और इस युद्धस्थिति को देखते समाप्त करने के लिये, जिसे कोई भी देश नहीं सह सकता, प्रार्थना करें। धार्मिक स्वतन्त्रता एक बड़ा मुद्दा है। इस्लामिक उग्रवाद तथा मसीही धार्मिक कार्यों ने एन.जी.ओ. के अन्तर्राष्ट्रीय परियोजना तथा सहायता को वास्तव में समाप्त कर दिया है और प्रवासी मसीही कार्यकर्ताओं के प्रवेश पर सीमा बांध दी है। प्रार्थना करें कि यह सीमाएं उठा ली जायें और प्रजातीय तथा धार्मिक सम्प्रदायों के बीच मेल–मिलाप बना रहे। ज्यादातर मसीही कट्टर हैं और टिगरिन्या में हैं। धार्मिक कार्यकर्ता बहुत थोड़े हैं। युद्ध के संकटों सुसंस्कृत की और एक साथ मिलकर सहभागिता के प्रति आकर्षित थे।

## इथिओपिया

जनसंख्याः 62.5 मिलियन जाति समूहः 86
प्रधान धर्मः रोमन कैथोलिक भाषाएंः अहैरिक, उपभाषाऐं
गैर मसीहीः 35% मसीहीः 65%
क्षेत्रफलः 1,106,000 स्कै. कि.मी., उपजाऊ पर्वतीय पठार जो चारों ओर से सूखा–ग्रस्त इलाकों से घिरा है। और लाल समुद्र के मरूस्थल हैं।
विवरणः इथोपिया के राजनेता कई जगहों पर संकटों का सामना करते हैं। इरिट्रिया के साथ युद्ध स्थिति ने प्रदेश को पुनःजीवित करने तथा आधुनिक बनाने के प्रयासों को निर्बल कर दिया है। प्रजातीय खंडन एक वास्तविक सम्भावना है। संरचना में, केन्द्रीय सरकार मुख्यतः टाइग्रैयन हैं और दूसरे बड़े प्रजातीय समूह – असहाय, औरोमो, सोमाली और अपार अड़ियल हैं। नेतृत्व कर्ताओं में बुद्धि, नम्रता तथा साहस और परमेश्वर को खोजने वालों के लिये प्रार्थना करें। शान्ति के लिये बेहतरी के लिये परिवर्तनों के लिये उचित समय के लिये प्रार्थना करें। दबाव, अकाल, युद्ध और अत्यधिक गरीबी ने कई लोगों को आघात पहुंचाया है।

## गैबोन

जनसंख्याः 1.2 मिलियन जाति समूहः 3
प्रधान धर्मः मसीही भाषाएंः फ्रैन्च
गैर मसीहीः 13% मसीहीः 77%
क्षेत्रफलः 267,667 स्कै. कि.मी. भूमध्य रेखा पर तटीय मध्यवर्ती अफ्रीकी राज्य–77% गहन तीव्र वर्षा वाले वन हैं।
विवरणः गैबोन एक आत्मिक युद्धभूमि है। राष्ट्रपति तथा कई सरकारी नेतृत्व के इस्लाम में धर्मपरिवर्तन, उन गुप्त स्वदेशीय सोसाइटियों का व्यापक प्रभाव जिनका सदस्य सभी सरकारी नेताओं को बनना पड़ता है स्थानिक नशा और व्यापक रूप से फैली हुई सूचक हैं। जबकि बहुत भारी मात्रा में लोग मसीही होने का दावा करते हैं आवश्यकता के समय गैबोनीज अपने पारम्परिक धर्म की ओर ही जाते हैं। प्रार्थना करें कि यह प्रभाव टूट जाये। आरम्भ में हौसा, फूलानी और दूसरे पश्चिमी अफ्रीकी मुस्लिमों के प्रयास से। और हाल में, गैबोनीज मनुष्यों में परिवर्तन के द्वारा। पश्चिमी अफ्रीकी मुस्लिम प्रवासी ज्यादातर व्यापारी वर्ग से है इसलिये देश पर उनका महत्वपूर्ण प्रभाव है। राष्ट्रीय कलीसिया के प्रस्ताव हैं कि धर्मप्रचारकों के मंडल के साथ सहभागी होकर, उन प्रतिरूपों के आधार पर जिन्हें सफलतापूर्वक कोट डिलवोइर और गिनी में प्रयोग किया गया, गैबोन के अन्य लोगों तक पहुंचे।

## गैम्बिया

जनसंख्याः 1.3 मिलियन जाति समूहः 20
प्रधान धर्मः मुस्लिम भाषाएंः अंग्रेजी, मैनडिन्का
गैर मसीहीः 96% मसीहीः 4%

क्षेत्रफलः 10,689 स्के. कि.मी., 400 कि.मी. लम्बी एक पतली नदी के किनारे वाला क्षेत्र जो सेनेगन के कैसमान्से को शेष देश से अलग करता है।

विवरणः इस्लाम प्रमुख है। मैनडिन्का, जो एलैक्स हैले की पुस्तक 'रूट्स' द्वारा प्रसिद्ध हो गये हैं मुख्य लोग हैं। गवाही के लिये तथा अन्य लोगों को सच्चाई को ग्रहण करने के लिये अपने हृदयों को खोलने के लिये प्रार्थना करें। सऊदी अरब ने इस देश को इस्लामिक धागों से बंधी काफी आर्थिक सहायता दी है। शहरों तथा गांवों में बहुत थोड़ी मसीही गवाही है, हालांकि यह बढ़ रहा है। प्रधान समुदायों में काफी कमी थी और धार्मिक विश्वासी थोड़े थे। कुछ नेतृत्वकर्ता कलीसिया का नवीनीकरण कर रहे हैं और यह अब बदल रहा है। कई नाममात्र के मसीही यीशु मसीह में नया जीवन प्राप्त कर रहे हैं। बढ़ते हुये आवेग और विकास के लिये उत्साह के लिये प्रार्थना करें।

## घाना

जनसंख्याः 20.2 मिलियन जाति समूहः 100
प्रधान धर्मः मसीहीयत भाषाएँः अंग्रेजी, उपभाषाएं
गैर मसीहीः 40% मसीहीः 60%
क्षेत्रफलः 238,533 स्कै. कि.मी., उत्तर में घास के मैदान, दक्षिण में खेत तथा वन।
विवरणः स्वाधीनता के बाद, पहली कुछ कठोर दशक, स्थायी, न्याययुक्त प्रजातान्त्रिक संस्थानों को विकसित करने के लिये अच्छी भूमि अपने आपको मानवीय सिद्धान्तों या शैतानी प्रभावों के बजाय परमेश्वर के अधीन करें और घाना के विविध जातियों और धार्मिक समूहों के लिये उत्तमता को खोजें। 1995 से जातीय युद्ध और अन्तरीय धार्मिक हिंसा हुई थी। कई वर्षों तक ज्यादा विकसित दक्षिण में मसीहीयत के अधिक अनुयायी रहे हैं। 64% से ज्यादा घाना वासी अपने आपको मसीही कहते हैं, पर केवल 40% का सम्बन्ध किसी कलीसिया से है और केवल 12% ही नियमित रूप से कलीसिया जाते हैं। अफ्रीकी पारम्परिक दृष्टिकोण और कार्यप्रणाली मसीहीयत के दावे के साथ–साथ ही चलते हैं। पुराने चर्चों की प्राणहीनता तथा औपचारिकता ने अफ्रीकी इन्डीपैन्डैन्ट चर्चों की शीघ्रता से हो रही वृद्धि को प्रोत्साहित किया है जो जोश, सहभागिता और आश्चर्य कर्म तो देते हैं पर हमेशा विश्वास द्वारा उद्धार नहीं देते।

## गिनी

जनसंख्याः 7.4 मिलियन
जाति समूहः 40
प्रधान धर्मः मुस्लिम
भाषाएंः फ्रैन्च, फुलवे
गैर मसीहीः 96%
मसीहीः 4%

क्षेत्रफलः 245,857 स्कै.कि.मी., अफ्रीका के पश्चिमी तट पर, गिनी–बिस्सा और सिएरा–लियोन के बीच।

विवरणः मसीही जनसंख्या अभी भी अल्पसंख्यक है। यह दक्षिण के वनों तथा थोनाकटी में केन्द्रित है। ब्लैक अफ्रीका सबसे कम इसाई धर्म के देशों में से है। धार्मिक कार्यों को बढ़ने के बावजूद भी अधिकांश जातियां अभी भी चुनौतीपूर्ण हैं अधिक जो दृढ़ आत्मवादी हैं। तीन प्रमुख जातियां मुस्लिम हैं। इन समूहों के विश्वासी अपने आपको परिस्थितियों से स्वतंत्र नहीं करा पाते हैं ताकि वह खुलेआम मसीही की तरह रह सकें। उनकी निडरता तथा साहस के लिये प्रार्थना करें। जबकि इन समूहों से धर्मांतरित व्यक्तियों की संख्या धीरे–धीरे कम हो रही है आवश्यकता है। पिछले कुछ वर्षों से धार्मिक जागरूकता बढ़ गई है। विश्वासियों में एक बढ़ती हुई प्रत्याशा, एक भरपूर फल के लिये है। गिनी को पूर्णतया धार्मिक स्वतन्त्रता है। स्वाधीनता धीरे–धीरे कम होती जा रही है फिर भी विशेषकर वन्य क्षेत्र से बाहर बड़े शहरों में।

## गिनी–बिसाऊ

जनसंख्याः 1.2 मिलियन　　जाति समूहः 27
प्रधान धर्मः मुस्लिम　　भाषाएंः पुर्तगाली
गैर मसीहीः 86%　　मसीहीः 14%
क्षेत्रफलः 36,125 स्कै. कि. मी. तटीय राज्य जो सेनेगल तथा गिनी के बीच फंसा हुआ है।
विवरणः चर्चों में नेतृत्व–कार्य पूर्ण विकसित है और धार्मिक प्रचार के कार्यों के लिये एक वास्तविक दूरदर्शिता है। फिर भी अन्दर के भागों में कई कलीसिया ऐसे हैं जहां पादरी नहीं हैं। अगर पादरी हैं तो वह अक्सर 10 संगतों की देखभाल करता है। दूसरों की सेवा की बुलाहट के लिये प्रार्थना करें। राजधानी में एक मसीही पुस्तक गृह है जिसे एक राष्ट्रीय विश्वासी चलाता है। एक मौखिक तथा अशिक्षित समाज में पुस्तकों की कोई प्राथमिकता नहीं है विशेषकर जब वह महंगी हों। इस दुकान के मालिक के लिये प्रार्थना करें कि उसे उचित सामग्री का चयन करने की बुद्धि प्राप्त हो। यह भी प्रार्थना करें कि राष्ट्रीय–लेखक ऐसी पुस्तकें लिखें जो गिनी–बिस्सा के मसीहीयों के लिये उचित और लाभकारी हो। गिनी–बिसाऊ के कलीसिया के इतिहास में, 1999 में, पूर्ण बाइबल का पुर्तगाल–कीओल भाषा में छपना एक आवश्यक बात थी। पापल, बिजैगो, फुल्बै और मनडिंमों में भी नया नियम है परन्तु यह व्यापक रूप से प्रयोग में नहीं पाये जाते। यह जानने के लिये कि किस प्रकार से इन अनुवादों का इस मौखिक समाज में अति उत्तम तरीके से प्रयोग किया जाता, बुद्धि तथा दूरदर्शिता के लिये प्रार्थना करें।

## केन्या

जनसंख्याः 30 मिलियन जाति समूहः 122
प्रधान धर्मः मसीही भाषाएंः अंग्रेजी, स्वाहिली
गैर मसीहीः 22% मसीहीः 78%
क्षेत्रफलः 582,646 स्कै.कि.मी. अधिकांश लोग दक्षिण तथा पश्चिम के उपजाऊ पहाड़ों में रहते हैं।
विवरणः स्वाधीनता के बाद से सुसमाचार के प्रचार की स्वतन्त्रता के लिये परमेश्वर की स्तुति हो, लोगों की ग्रहणशीलता और कलीसिया की उत्सुक वृद्धि के लिये परमेश्वर की स्तुति हो। 415 से ज्यादा लोग मसीही होने का दावा करते हैं और समाज के हर स्तर पर मसीही लोग पाये जाते हैं। प्रार्थना करें कि मसीही लोग राष्ट्र के लिये सच्चाई तथा नैतिक प्रसन्नता दे सके जो कि सम्भवतः आर्थिक पतन और प्रजातीय संघर्षों के कारण राजनैतिक विपदा की कगार पर खड़ा है। शान्तिपूर्ण परिवर्तन तथा एक प्रजातन्त्र शासन, जो लोगों की गहन आवश्यकताओं के प्रति प्रतिक्रियाशील हो, के लिये भी प्रार्थना करें। मानवीय अधिकारों के बढ़ते हुए दुरूपयोग, विरोध का दमन, प्रजातीय भेदभाव और भ्रष्टाचार को चुनौती देना जरूरी है। कुछ मसीही नेतृत्वकर्ताओं ने इनके विरोध में बोलना शुरू किया है जिसके कारण उन्हें शासन से लड़ाई करनी पड़ती है। चर्चों की नेशनल काऊंसिलिंग और इवैन्जलिकल फेलोशिप आफ कीनिया, इन मुद्दों के संचालन के लिये आंतरिक रूप से विभाजित हैं प्रार्थना करें कि राष्ट्रीय तथा कलीसिया के नेतृत्व के कार्यों में सब मसीही एक आदर्श जीवन जी सकें और समाज में गलत चीजों के विरोध में बोल सकें जो समाज अपने आपको मसीही होने का दावा करता है।

## लेसोथो

जनसंख्याः 2.1 मिलियन जाति समूहः 6
प्रधान धर्मः मसीही भाषाएंः सोथो, अंग्रेजी
गैर मसीहीः 81% मसीहीः 19%
क्षेत्रफलः 30,355 स्कै.कि.मी. एक पर्वतीय देश जो पूरी तरह से दक्षिण अफ्रीका से घिरा हुआ है।
विवरणः लीसोतो के लोग अपने भौगोलिक स्थिति के, अपने नेताओं के विभाजन तथा शक्तिहीनता और संसाधनों की कमी के बन्दी हैं। 1998 के दक्षिण अफ्रीका के आक्रमण ने लोगों को बहुत निराश तथा क्रोधित कर दिया है। प्रार्थना करें कि सब की भलाई के लिये परमेश्वर से डरने वाले, ईमानदार नेता उत्पन्न हो सकें। कई पीढ़ीयों से सोतो मसीही रहे हैं, पर कैथोलिक कलीसिया तथा लीसोतो इवैन्जीलिकल कलीसिया में पारम्परिकता तथा नामवाद व्यापक रूप से रहे हैं। इनमें से दूसरा तो पैरिस मिशनरी सोसाइटी के फ्रैन्च मिशनरियों के महान अग्रणी कार्य का फल है। इसाई धर्म सम्बन्धी उत्साह के साथ नये–नये चर्चों की बढ़ती हुई संख्या ने मुख्य प्रचलित कलीसियाओं को आत्मिक रूप से सजीव और स्पष्ट होने की चुनौती दी है। विभिन्न समुदायों के बीच एक नम्र सामंजस्य होने के लिये प्रार्थना करें जिससे वैरभाव समाप्त हो।

## लाइबेरिया

जनसंख्याः 3.1 मिलियन जाति समूहः 16
प्रधान धर्मः प्रजातीय पारम्परिक भाषाएंः अंग्रेजी, उपभाषाएं
गैर मसीहीः 60% मसीहीः 40%
क्षेत्रफलः 99,067 स्कै.कि.मी. सिरा लिओन, गिनी और कोट डिलवोइर से जुड़ता हुआ एक गहन वन्य तटीय प्रदेश।
विवरणः लाइबेरिया के लिये गृह–युद्ध एक भयंकर दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी देश नाश हो चुका था और लोगों को आघात पहुंचा था। यह एक अभिशाप भी था जिसने पश्चिम अफ्रीका को हानि पहुंचाई थी विशेषकर सिरा लिओन और गिनी। इसका कारण गहन प्रजातीय घृणा, लालच, सामर्थ्य का लोभ था। इन चीजों ने समझौते वाली मसीहियत में शैतान को अवसर दे दिया। दशकों तक मसीहियों ने एक भयंकर पैमाने पर बुराई के साथ समझौता किया है। प्रारम्भिक अधिवासियों द्वारा आयातित गुप्त संसद ने स्वदेशीय प्रजातीय समाजों के साथ मिलकर एक व्यापक प्रभाव बना लिया था जिसने राजनीति और लगभग सभी सम्प्रदाय चाहे वो प्रचलित, ईवैन्जलिकल या पेन्तीकोस्टल हो, को भ्रष्ट किया और उनसे समझौता किया। कुछ क्षेत्रों में युद्ध के दौरान जिन मसीहियों ने समझौता करने से इन्कार कर दिया था, उन्हें उत्पीड़ित किया गया। गतिहीनता, लाइबेरिया के भीतरी भागों में सुसमाचार के विस्तार में विफलता, खोये हुओं के लिये चिन्ता की कमी और आत्मिक असमर्थता चर्चों में बहुत व्यापक थी और इसका कारण अनदेखे पाप, जादू टोना, नशा और मसीहियों में बहुविवाह प्रथा था। इन शैतानी बलों को बान्धने के लिये प्रार्थना करें और स्वतन्त्रता का एक नया दिन तथा कलीसिया में पवित्र आत्मा की सामर्थ के लिये भी प्रार्थना करें।

## लीबिया

जनसंख्याः 5.6 मिलियन जाति समूहः 33
प्रधान धर्मः मुस्लिम भाषाएंः अरबी
गैर मसीहीः 96% मसीहीः 4%
क्षेत्रफलः 1,775,500 स्कै. कि. मी. अधिकतर सहारा मरूस्थल, केवल 2% एक तटीय पट्टी ही खेती के योग्य है।
विवरणः सार्वजनिक रूप से इसाई धर्म का कार्य सम्भव नहीं है। 1960 में अन्तिम धार्मिक स्थल बन्द कर दिया गया था। पूरी स्थानीय जनसंख्या तक नहीं पहुंचा जा सकता। प्रवासियों के लिये राज्य द्वारा दी गई अधिकतम स्वतन्त्रता के बाद भी, लीबियन्स धार्मिक कार्यों के लिए मर्यादा से दूर हैं। काफी संख्या में प्रवासी कार्यकर्ता लीबियन्स तक पहुंचने का प्रयत्न कर रहे हैं पर एक गुप्त तथा व्यापक पुलिस के जाल द्वारा वह रोक दिये जाते हैं। निराशा तथा लाचारी की लहर है। अधिक अरबी मसीहियों और कार्यकर्ताओं की बुलाहट के लिये प्रार्थना करें कि वह एक प्रभावकारी तथा संवेदनशील तरीके से लीबिया वासियों तक पहुंच सकें। प्रार्थना करें कि इस देश के मजबूती से बन्द किये हुये द्वार, सुसमाचार के लिये खुल जायें। व्यक्तिगत स्वतन्त्रता सीमित है। पुराने राजनैतिक तथा आर्थिक प्रतिबन्ध और शासन प्रणाली द्वारा अनुसारित राजनीतियाँ, दीर्घकालीन प्रभाव डाल रही है। प्रार्थना करें कि कई लोग लीबिया में सेवकाई के लिये बुलाये जायें।

**मैडागास्कर**

जनसंख्याः 15.9 मिलियन जाति समूहः 18
प्रधान धर्मः पारम्परिक प्रजातीय भाषाएंः मलैग्सी, फ्रैंन्च
गैरी मसीहीः 53% मसीहीः 47%

क्षेत्रफलः 587,041 स्कै. कि.मी. संसार का चौथा बड़ द्वीप। भारतीय महासागर में 1600 कि.मी. लम्बा, अफ्रीका में मोज़म्बिक तट से दूर।

विवरणः मूर्तिपूजक शासकों तथा फ्रैन्च कैथोलिक उपनिवेशीय अधिकारीवर्ग द्वारा उत्पीड़न के बावजूद भी प्रोटेस्टन्ट चर्चा की एक भव्य इतिहास रहा हे। 1895, 1941, 1948 तथा 1980 के दौरान कड़े चर्चों के उल्लेखनीय जागृति आन्दोलन होते रहे हैं। इन जागृति आन्दोलनों से 'शैपर्डस' जैसी सामान्य जन सम्बन्धी स्थानीय आन्दोलन शुरू हुये जो पूरे द्वीप के 50 केन्द्रों से प्रचलित प्रोटस्टन्ट फैडरेशन चर्चों में सक्रिय है। चंगाई तथा जादू टोना पर उनके ज्यादा जोर देने से धर्म परिवर्तन को बढ़ावा मिला है। काश यह आन्दोलन विकसित होता रहे और धर्मशास्त्र में जड़ पकड़ता जाये जागृति की बजाय आत्मिक शून्यता कई सम्प्रदायों की विशेषता बन गई है। पुराने विश्वासों से समझौता, पूर्वजों की आत्मा की पूजा और जादू टोना बहुत व्यापक है और उन लोगों में भी जो मसीही होने का दावा करते हैं यह सब बढ़ रहे हैं। आराधना के विभिन्न रूप तो हैं पर ज्यादातर लोगों को उद्धार के बारे में बाइबल का बहुत ही थोड़ा ज्ञान है। मसीही समुदाय 80% मसीही है यह वास्तविक रूप से धार्मिक नहीं हैं।

## मालावी

जनसंख्याः 10.9 मिलियन जाति समूहः 22
प्रधान धर्मः मसीही भाषाएंः छेवा, अंग्रेजी
गैर मसीहीः 21% मसीहीः 79%
क्षेत्रफलः 118,484 स्कै. कि.मी. केन्द्रीय अफ्रीकी राज्य जो मालावी सीमा तथा इसकी बाहरी नदी शायर के साथ फैला हुआ है।
विवरणः विनाशकारी युद्ध और उत्पात वाले क्षेत्र में, स्वाधीनता से मालावी अपेक्षाकृत शान्तिपूर्वक रहा है। फिर भी इन युद्धों ने अल्पविकसित क्षेत्रों में एक भीषण आर्थिक हानि पहुंचायी है। प्रजातन्त्रीय शासन की प्रत्याशाओं को महसूस नहीं किया गया। प्रार्थना करें कि राष्ट्र का संचालन सत्यनिष्ठ नेताओं द्वारा हो और नई प्रजातन्त्र लोगों के बेहतर कल्याण की ओर अग्रसर हो। इस्लाम का विकास एक बड़ी चुनौती है। 90% से अधिक वायो मुस्लिम हैं और मालावी के मुस्लिम का अधिकांश भाग हैं। अधिकतर एशियाई भी मुस्लिम हैं स्वयं राष्ट्रपति भी मुस्लिम हैं। इस्लाम ज्यादा प्रत्यक्ष तथा आश्वस्त हो गया है और मुस्लिम सहायक परियोजनाऐं बढ़ गई हैं। अफ्रीकी मुस्लिम संख्या के लिये मालावी अब दक्षिणी अफ्रीकी अड्डा बन गया है। अभी भी, दूसरी जातियों के लिये इस्लाम का विस्तार बहुत ज्यादा व्यापक नहीं है पर यह हो रहा है।

## माली

जनसंख्याः 11.2 मिलियन
जाति समूहः 34
प्रधान धर्मः मुस्लिम
भाषाएंः बाब्बारा, फुल्बे, सोन्घाई
गैर मसीहीः 98%
मसीहीः 2%
क्षेत्रफलः 1,240,192 स्कै. कि.मी. स्थल–रूद्ध राज्य
विवरणः कई लोगों के लिये इस्लाम निराशाजनक रहा हे। इसका परिणाम, मसीहीयत के लिये बड़ी ग्रहणशीलता है। साहेल के पर्यावरण के संकटों ने मसीही संगठनों से सहायता ली है जो सुसमाचार के प्रति क्षति को कम कर रहा है। कई संगठनों के लिये जो सहायता के कार्य में सक्रियता से शामिल हैं जल, भूमि तथा वनस्पति को सुरक्षित रखने के लिये स्थानीय कार्य कुएँ खोदना और औषधि–उपचारों की पहुंच के लिये प्रार्थना करें। फिर भी माली में 903 औषधालय हैं। प्रार्थना कीजिये कि यह सेवकाई का कार्य एक परिपक्व और गवाही वाले कलीसिया के रूप में फल ला सकें। 34 प्रजातीय समूहों में से केवल चार ही 1% से ज्यादा इसाई धर्म वाले हैं। सारी जातियों को अच्छे समाचार की आवश्यकता है। 11 समूह ऐसे हैं जिनमे ज्ञात धार्मिक विश्वास नहीं है। इनमें जुला, मौर और टुश्लौर हैं। छोटे समूहों (इसलिये अक्सर तिरस्कृत) जिसमें 25,000 या इससे कम व्यक्ति हैं और कई ज्ञात विश्वासी नहीं हैं (डून, मौसी, वोलोक, बंका, जोतोनी, पाना, समोआ)। परमेश्वर से मांगें कि वह उचित दिशा को प्रकट करे ताकि इन लोगों तक सुसमाचार पहुंच सका।

## मौरीटानिया

जनसंख्याः 2.7 मिलियन जाति समूहः लगभग 20
प्रधान धर्मः मुस्लिम भाषाएंः अरबी, हसानिया
गैर मसीहीः 99.8% मसीहीः 0.2%
क्षेत्रफलः 1,030,700 स्कै.कि.मी. पूर्णतया मरूस्थल दक्षिणी किनारे पर सेनेगल नदी के उत्तरी तट को छोड़कर।
विवरणः 1000 वर्षों तक कम चुनौती के साथ इस्लाम सुरक्षित रहा है। परिवर्तन के लिये कई अवरोध है निम्न साक्षरता, धर्मशास्त्र की अनुपस्थिति जो हसानिया अरबी में पूरी हो चुकी है सेनेगल से केवल बहुत थोड़े रेडियो प्रसारण और ऐसे कानून जो लोगों को सुसमाचार सुनने या यीशु मसीह के लिये परिवर्तित होने के लिये मना करते हैं। एक तिहाई बच्चे कुपोषण का शिकार हैं और जहां पर खाना है वह इतना महंगा है कि निर्धन व्यक्ति उसे खरीद नहीं पाता है। वर्ल्ड बैंक आर्थिक उधारीकरण के प्रति शासन की आज्ञाकारिता से जहां आर्थिक विकास आया है वहां इसने कार्यरत निर्धनों को और भी अधिक गरीबी में डुबो दिया है। प्रार्थना करें कि शासन को ज्ञान तथा विवेक प्राप्त हो, ताकि भूखों और निर्धनों को सुसमाचार सुनाया जा सके।

**मोरोक्को**

जनसंख्याः 28.2 मिलियन
जाति समूहः 8
प्रधान धर्मः मुस्लिम
भाषाएंः अरबी, फ्रैन्च
गैर मसीहीः 99.9%
मसीहीः 0.1%
क्षेत्रफलः 458,730 स्कै. कि. मी. अफ्रीका का उत्तर पश्चिमी कोना
विवरणः सातवीं शताब्दी में आक्रमण करती हुई अरबी सेना द्वारा इस्लाम लाया गया। एक समय में सशक्त रहे उत्तरी अफ्रीकी और बरचर, कलीसिया को मिटा दिया गया था। शोषित लोगों का भाग्य बेहतर बनाने के लिये, नये राजा के प्रयासों द्वारा इस परिवर्तन के लिये बहुत आशाएं हैं। सूखा, इस्लामिक सक्रियता और भ्रष्टाचार की संस्कृति–यह सब इसको नष्ट कर सकती है। राजा के लिये तथा उन लोगों के लिये जो शासन प्रणाली में तथा शान्ति व स्थिरता के लिये प्रार्थना करें।

## मोज़ाम्बीक

जनसंख्याः 19.6 मिलियन
जाति समूहः 25
प्रधान धर्मः मसीही
भाषाएंः पुर्तगाली, उपभाषाएं
गैर मसीहीः 43%
मसीहीः 57%

क्षेत्रफलः 799,380 स्कै.कि.मी. जाम्बेजी और 24 दूसरी नदियां 2,800 कि.मी. लम्बे स्थान को बांटती है और उत्तर–दक्षिण यात्रा को कठिन बनाती हैं।

विवरणः गृह युद्ध के तीन दशक और उपनिवेशवाद से, मौज़म्बिक खंडित तथा क्षतिग्रस्त रूप से प्रकट हुआ। 1995 में यह संसार का सबसे गरीब देश माना गया था। अर्थव्यवस्था को बहाल करने के लिये, सही प्रजातान्त्रिक बुनियाद रखने के लिये, धार्मिक स्वतन्त्रता देने के लिये और भूतकाल के घावों को भरने के लिये शासन ने बहुत कठोर परिश्रम किया है। अपने इतिहास में पहली बार इस देश को धार्मिक स्वतन्त्रता मिली है। अत्याधिक दुखों ने आत्मिक भूख को उत्पन्न किया और पूरे देश में स्थानीय मसीही सभाएं फैल गईं। 2000 तथा 2001 की बाढ़–विपदा ने मसीही सहायता को काफी प्रोत्साहित किया और शरणार्थी शिविरों में चर्चों की स्थापना की गई। निरक्षरता, धर्मशास्त्र का अभाव, कानून, मिला जुला विश्वास, और बाइबल के पछतावे को समझ की कमी, विश्वास की कमी और नया जन्म बहुत फैला हुआ है। फिर भी, सहायता तथा शिक्षण के लिये उचित और चतुराई से दी जाने वाली इच्छा बहुत तीव्र है।

## नामीबिया

जनसंख्याः 1.7 मिलियन
जाति समूहः 6
प्रधान धर्मः मसीही
भाषाएंः अंग्रेजी, अफरीकांस
गैर मसीहीः 21%
मसीहीः 79%

क्षेत्रफलः 823,144 स्कै.कि.मी. मुख्यता वर्षाहीन, आंशिक मरूस्थल, भूमध्य रेखा के दक्षिण में सबसे ज्यादा सूखा हुआ अफ्रीकी प्रदेश।

विवरणः अगर राजनैतिक नेतृत्व में विफलता हो तो अर्थ व्यवस्था के टूटने और संघर्ष की सम्भावना होती है। शासन तथा इसके नेताओं के लिये प्रार्थना करें। बहुत लम्बे समय तक, किसी दूसरे अफ्रीकी प्रदेश के मुकाबले में नामीबिया में बहुत अधिक मसीही हुये हैं। जर्मन और फिननिश लूथरन की प्रारम्भिक मेहनत और फिर एंगलीकन मिशनरियों के द्वारा बहुत संख्या में पंथ उत्पन्न हो गये। उदार तथा बाद में श्याम सिद्धान्तों के प्रभाव ने इस आत्मिक धरोहर को मिटा दिया सच्चा नेतृत्व और पवित्र जीवन की अब बहुत कमी है। नामवाद बहुत फैला हुआ है। मसीहीयत से दूर हटना बहुत उल्लेखनीय है, सुसमाचार के लिये गृहणशीलता की कमी ध्यानाकर्षक है। धर्मशास्त्र पर आधारित तथा आत्मा से लिप्त एक एकता के लिये प्रार्थना करें जो मेल–मिलाप तथा पुनःजीवन को लाये। व्यस्त व्यक्ति भौतिक वादी हो गये हैं और अपनी आवश्यकताओं के लिये महत्वहीन समझी जाने वाली मसीहीयत का तिरस्कार कर रहे हैं। दुर्व्यवहार, अनैतिकता और तेजी से फैलता हुआ एच़ आई. वी.– इसका परिणाम हे।

**नाइजर**

जनसंख्याः 10.7 मिलियन
जाति समूहः 36
प्रधान धर्मः मुस्लिम
भाषाएंः फ्रैन्च, हौसा
गैर मसीहीः 97.5%
मसीहीः 2.5%
क्षेत्रफलः 1,186,408 स्कै.कि.मी. मध्य तथा उत्तर में सहारा मरूस्थल से ज्यादा।
विवरणः प्रार्थना करें कि यह प्रदेश इसी प्रकार से खुला रहे और परमेश्वर के लिये समझ रखने के लिये प्रत्येक सामाजिक, धार्मिक और आत्मिक अवरोध दूर हो। स्वाधीनता के बाद में, विश्वास व्यक्त करने वाले मसीहियों की संख्या में भारी कमी आई है क्योंकि काफी कैथोलिक्स फ्रैन्च प्रवासी थे जो अब देश छोड़कर चले गये हैं। धार्मिक कार्यकर्ता क्रमशः बढ़े हैं पर अभी भी वह अल्पसंख्यक हैं। 14 से ज्यादा जातियां ऐसी होंगी जिन तक पहुंचा नहीं जा सकता और उनके पास कोई जीविका नहीं है। पर, सौकोतो फुल्बे, कानूनी–मोकर, कानूनी–टुमरी, अरबी, लुर्के, मौरी, टयन्गा, डेन्डी, कुरटी, वोगो और काडों–सोनगरी के बीच में प्रचार व सेवकाई के कार्य के लिये छानबीन हो रही है।

## नाइजीरिया

जनसंख्याः 111 मिलियन जाति समूहः 490
प्रधान धर्मः मसीही भाषाएंः अंग्रेजी
गैर मसीहीः 48% मसीहीः 52%
क्षेत्रफलः 923,768 स्कै.कि.मी. दक्षिण में दलदल में उगने वाले और उवण वन, उत्तर में सवाना तथा घास के मैदान
विवरणः मिलाप के लिये प्रार्थना करें। चार दशकों तक अपने नेतृत्व कर्ताओं द्वारा लूटपाट किये जाने के बाद, देश की दुखद पुनः संरचना करने के लिये शासन को समय, लोगों की सहायता और साहस की आवश्यकता है। कठोरता तथा चतुराई, अर्थ व्यवस्था में क्रान्ति तथा विकास की प्रक्रिया, निजी स्वार्थ और जनजातिवाद में उचित सन्तुलन के लिये प्रार्थना करें। राष्ट्रीय एकता की संरक्षता, शासनीय संविधान की सत्यनिष्ठा और सम्पूर्ण धार्मिक स्वतन्त्रता के लिये नाइजीरिया मसीहियों के साथ प्रार्थना करें। लालच तथा भ्रष्टाचार की संस्कृति बहुत ही गहन है। मध्य अन्तर्राष्ट्रीय कपटपूर्ण योजना, अन्तर्राष्ट्रीय अपराध और नशाखोरी की दवाईयों के लिये नाइजीरिया अप्रसिद्ध हो गया है।

## रवांडा

जनसंख्याः 7.7 मिलियन
जाति समूहः 5
प्रधान धर्मः मसीही
भाषाएंः फ्रैन्च, अंग्रेजी
गैर मसीहीः 20%
मसीहीः 80%

क्षेत्रफलः 26,338 स्कै.कि.मी. एक उपजाऊ तथा पर्वतीय देश अपने दक्षिण मित्र देश बुरुंडी के समान

विवरणः उस नरसंहार ने, जिसने एक मिलियन पुरूष, स्त्री तथा पर्वतीय बच्चों की हत्या की थी संसार को हक्का–बक्का कर दिया था और पूरे राष्ट्र को आघात पहुंचाया। रवांडा को शान्ति की आवश्यकता है और सदियों से चले आ रही आन्तरिक–प्रजातीय घृणा को दूर करने की आवश्यकता है। प्रार्थना करें कि परिवर्तित सरकार, कलीसिया और अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाएं यह करने में सफल हों। नरसंहार के उत्तरदायी लोगों में से कई तो अभी भी खतरनाक तरीके से छूटे हुये हैं। 125,000 से ज्यादा को राजनीतिक तौर पर रोका हुआ है क्योंकि उनकी सम्भवतः नरसंहार में भागीदारी है। कई निर्दोष व्यक्ति दोषियों के बीच में है पर न्यायालय इतने धीरे इनकी जांच की प्रक्रिया कर रहा है कि 200 वर्ष और लग जायेंगे। 1994 में खाण्डा के 719 न्यायाधीशों में से अब केवल 250 जीवित हैं। न्याय के लिये प्रार्थना करें कि यह समय से हो और दृष्टिगोचर हो। कई मसीहियों ने बहुत दुख उठाया। हजारों आत्मिक अगुवों की हत्या कर दी गई। कई अगुवे बहुत निराशापूर्वक शारीरिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक तथा आत्मिक हानि का सामना करने के लिये अपने आपको समर्थ बना रहे हैं।

## सेनेगल

जनसंख्याः 9.4 मिलियन जाति समूहः 52
प्रधान धर्मः मुस्लिम भाषाएंः फ्रैन्च, बोलोफ
गैर मसीहीः 95.6% मसीहीः 4.4%
क्षेत्रफलः 196,722 स्कै.कि.मी. मुख्य प्रदेश जो अफ्रीका का सबसे अधिक पश्चिमी राज्य है सूखा और बहुत थोड़े प्राकृतिक संसाधनों वाला है।

## सेशेल्स

जनसंख्याः 77,000 जाति समूहः 43
प्रधान धर्मः ईसाई धर्म भाषाएंः फ्रैन्च, अंग्रेजी
गैर मसीहीः 4% मसीहीः 96%

क्षेत्रफलः 453 स्कै.कि.मी. 400,000 स्कै.कि.मी. तक, हिन्द महासागर में फैला हुआ 92 ग्रेनाइट और मूंगे का टापू, कीनिया से 1600 कि.मी. पूर्व की ओर।

विवरणः सेशैल्स की बड़ी संख्या अपने आपको मसीही होने का दावा करते हैं परन्तु अधिकांश लोगों का विश्वास अनैतिकता, अन्धविश्वास और नामवाद के द्वारा दूषित है। अफ्रीकी ग्रिस–ग्रिस आत्मावाद जो काले जादू पर आधारित है, तथा जड़ी बूटियाँ, मसीहियों के जीवन को प्रभावित करती है। बहुत से विश्वासियों में यीशु मसीह के साथ एक व्यक्तिगत सम्बन्ध तथा अभाव है, इसके बजाय यह लोग बपतिस्मा तथा दृष्टिकोण के अनुष्ठानों पर निर्भर करते हैं। प्रार्थना करें कि पवित्र आत्मा नया जीवन लाये जो पछतावे तथा बने रहने वाले फल से प्रमाणित हो। भूतकाल में, ईसाई धर्म के प्रचार का कार्य जो तकनीकी तथा सहायता करने वाली संस्थाओं तक सीमित कर दिया गया था अब उसके लिये व्यापक अवसर है। बाहरी तथा अल्पसंख्यक टापू अलग–अलग हैं और यीशु मसीह के लिये व्यक्तिगत संलग्नता की बहुत कम चुनौती है। वयस्कों को उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं के लिये आत्मिक ध्यान की जरूरत है। प्रभावशील संस्थाओं के लिये प्रार्थना करें जो इन लोगों को परमेश्वर के लिये जीत सकें।

## सिएरा–लियोन

जनसंख्याः 4.8 मिलियन जाति समूहः 22
प्रधान धर्मः मुस्लिम भाषाएंः क्रिओल, उपभाषाएं
गैर मसीहीः 89% मसीहीः11%
क्षेत्रफलः 71,740 स्कै.कि.मी. गिनी व नाइजीरिया के बीच एक छोटा तटीय राज्य।
विवरणः अत्याचार और नियन्त्रण के लिये, उपकरणों की तरह प्रयोग किये जाने वाले निर्दोष पीड़ितों को क्रूरतापूर्वक अपंग बनाने के लिये सिरा–लोन अप्रसिद्ध हो चुका है। हजारों पुरूषों, स्त्रीयों तथा बच्चों की भी, टांगें या बांहें क्रूरता से काट डाली गई हैं। 100,000 से अधिक लोगों की हत्या कर दी गई है। असंख्य लड़कियों तथा स्त्रियों से बलात्कार किया गया। हजारों बच्चों का अपहरण किया गया, नशीली दवाएं पिलाई गई औंर उन्हें अपने ही सम्बन्धियों को मारने के लिये विवश किया गया। लगभग पूरी जनसंख्या ने शरणार्थी बनने का अनुभव किया। प्रार्थना करें कि भड़काने वाले इन सब लोगों का जिन्होंने लालच में पड़कर ऐसे आतंक को तीव्रता से फैलाया है न्याय किया जाये और यीशु मसीह में पश्चाताप करके उस पर विश्वास करे। प्रजातन्त्र तथा मानसिक विकार के बीच एक लड़ाई चल रही है। शासन की बहाली के लिये प्रार्थना करें कि यह शासन सत्यनिष्ठ, लोगों के प्रति उत्तरदायी हो सके और शांति की स्थापना कर सके, राष्ट्रीय मेल–मिलाप की प्रक्रिया को शुरू कर सकें और भिन्न–भिन्न हुई अर्थव्यवस्था को बना सके। सारे लालच तथा क्रूरता का कारण तन्त्र–मन्त्र की चुनौतीरहित शक्ति और कलीसिया की शक्तिहीनता। इस क्षेत्र में कई मसीहियों ने समझौता कर लिया है अल्पसंख्यकता तथा पाप इसका परिणाम है प्रार्थना करें कि इन शक्तियों को बांधा जा सके।

## सोमालिया

जनसंख्याः 10 मिलियन जाति समूहः 7
प्रधान धर्मः मुस्लिम भाषाः सोमाली, अरबी
गैर मसीहीः 99.95% मसीहीः 0.05%
क्षेत्रफलः637,000 स्कै.कि.मी. कीनिया और इथोपिया के पूर्व के सूखा हुआ हार्न ऑफ अफ्रीका।
विवरणः विश्व में सोमालिया सबसे ज्यादा कानून रहित देश है। इसकी तुलना में, असमान्य प्राप्त सोमालीलैंण्ड में काफी स्थिरता तथा शान्ति है। 10 वर्षों की हिंसा तथा शासनहीनता के बाद, सोमाली शान्ति तथा स्थानीय कानूनी प्रणाली के लिये हतोत्साहित है। शासन स्थापित करने के अस्थायी प्रयास कई युद्ध प्रेमियों द्वारा या तो उपेक्षित किये जाते हैं या उपहासपूर्ण तरीके से रोक दिये जाते हैं। प्रार्थना करें कि समस्त दल एक राष्ट्रीय शासन के निर्माण के लिए सहमत हो जायें और भविष्य के लिये शासक अतीत से सीखें और लोगों की भलाई आदर, मानवीय अधिकारों के लिये राष्ट्र का संचालन कर सकें। और सच्ची धार्मिक स्वतन्त्रता प्रदान करें। इस्लाम लोगों के लिये और सच्ची धार्मिक स्वतन्त्रता प्रदान करे।

## दक्षिण अफ्रीका

जनसंख्याः 40.3 मिलियन
जाति समूहः 68
प्रधान धर्मः इसाई धर्म
भाषाएंः 11 प्रजातीय भाषाएं
गैर मसीहीः 27%
मसीहीः 73%

क्षेत्रफलः 1,218,363 स्कै.कि.मी. अफ्रीका के दक्षिण छोर पर एक गणतन्त्र जिसमें 9 प्रान्त हैं।

विवरणः खेत–शासन तथा रंगभेद की नीति से, एक अजातीय प्रजातन्त्र में परिवर्तन, बिना रक्तपात हुये, अपेक्षाकृत शान्तिपूर्वक हो गया। एफ.डब्ल्यू.उर्क्लक का साहस, नैलसन मंडेला की उदारता, और परमेश्वर के लोगों की प्रार्थनाएं, इसके मुख्य अध्याय थे। स्थानीय चर्चों का श्रमिक प्रयास, भेदभाव, दमन तथा पीड़ा की शताब्दियों को पीछे लौटाने में फलदाय रहा है। आर्क बिशप डेसमण्ड टूटू की ट्रूथ एण्ड रिकॉसीलिएशन कमीशन, अतीत की गलातियों को सम्बोधित करने का एक याहयम थीं। अभी तो बहुत टूट जाता है। पर जो कुछ प्राप्त हुआ है उसके लिये परमेश्वर की महिमा हो। विश्वव्यापक मनोरूप का बहुत बड़ा विकास और 1993 में दक्षिण अफ्रीका के कूटनीतिक अलगाव के बाद दक्षिण अफ्रीका के सभी समुदायों का धार्मिक कार्यों में शामिल होने में बढ़ोतरी हुई है। सहायता और भेजने के कार्यों के लिये नवपरिवर्तनकारी योजनाएं विकसित हुई हैं। तिरस्कार, अविश्वास, भय, अन्याय, हिंसा, धमकियां और गहन क्षति ने राष्ट्रीय आत्मा को विक्षिप्त कर दिया है। अजातीय वाद तथा सकारात्मक क्रियाओं के बीच में एक स्वस्थ संतुलन रहने के लिये प्रार्थना करें।

## सूडान

जनसंख्याः 29.4 मिलियन जाति समूहः 88
प्रधान धर्मः मुस्लिम भाषाएंः अरबी, उपभाषाएं
गैर मसीहीः 77% मसीहीः 23%
क्षेत्रफलः 2,503,890 स्कै. कि.मी. अफ्रीका का सबसे बड़ा देश
विवरणः 20वीं शताब्दी में सूडान का गृह युद्ध संसार के संघर्षों में से एक सबसे लम्बा संघर्ष है। शांति तथा एक व्यवहार्थ, बहु–सांस्कृतिक और बहु धार्मिक समाज के निर्माण के लिये प्रार्थना करें। त्रुटियाँ हुई हैं – ब्रिटिश और निवेशक शासक (उन्होंने शांति, सत्यनिष्ठ व्यवस्था की स्थापना की, दासत्व को समाप्त किया, परन्तु वे दक्षिण के संचालन में निकट दर्शी थे), दक्षिणीयत तथा उत्तरीय दोनों ही क्षेत्रों के अत्याचार और दक्षिणीय लोगों के आपसी कटु विभाजन। पश्चाताप, सामुदायिक जीवन के पुनःनिर्माण तथा वापसी के लिये प्रार्थना करें। काफी समय तक सूडान की मानवीय आपदा की उपेक्षा की गई जब तक कि यह प्रकट नहीं हो गया कि शासन ने दासत्व को वापस लाने के लिये समर्थन दिया है। पिछले 50 वर्षों से अधिक के समय से कलीसिया का उत्पीड़न हो रहा है। परन्तु 1985 से यह अधिक बढ़ गया है। एक व्यवहार्थ मसीही उपस्थिति को समाप्त करने के लिये बनाई गई योजनाएं अत्यधिक चरम सीमा पर थी। इसमें रविवार की प्रार्थना सभा में की बमबारी, अस्पतालों का विनाश, स्कूलों, चर्चों तथा मसीही गांवों का विनाश, नरसंहार, पास्टरों की हत्या।

## स्वाज़ीलैंड

जनसंख्याः 1 मिलियन
जाति समूहः 107
प्रधान धर्मः इसाई
भाषाएंः स्वाती, अंग्रेजी
गैर मसीहीः 18%
मसीहीः 82%

क्षेत्रफलः 17,364 स्कै.कि.मी. दक्षिण अफ्रीका तथा मोजाम्बिक के बीच में छोटा, उपजाऊ, फंसा हुआ क्षेत्र

विवरणः पूर्व औपनिवेशक राजनैतिक तथा सांस्कृतिक समाज के साथ थोड़े ही अफ्रीकी देशों ने दृढ़ सम्बन्ध रखे हैं। यह चीज अतीत के दावों तथा बाइबल की मसीहीयत के बीच संघर्ष उत्पन्न करती है जिसका परिणाम मसीहियों में समझौता है। पिछले दशकों में, कई कलीसियाओं ने बहुत ही थोड़ी प्रगति की है और वह सामान्यतः गतिहीन हैं। मसीही नेताओं में, पुनःजीवन, पवित्रता और अधिक एकता के लिये प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि जादूटोना का गढ़, पूर्वजों की पूजा, बहुविवाह प्रथा अनैतिकता, जो राष्ट्र तथा कलीसियाओं में बसी हुई है, तोड़ी जाये। एक व्यापक रूप से स्वीकृत संविधान के लिये प्रार्थना करें जो मानवीय अधिकारों तथा प्रचलनों का आदर करे और प्रजातान्त्रिक स्वतन्त्रता तथा राजाओं को सम्मानित स्थानों का आदर करे।

## तंज़ानिया

जनसंख्याः 33.5 मिलियन जाति समूहः 52
प्रधान धर्मः इसाई भाषाएंः स्वाहिली, अंग्रेजी
गैर मसीहीः 49% मसीहीः 51%
क्षेत्रफलः 945,037 स्कै. कि.मी. मुख्यभूमि टनगनयिका और जंजीबार तथा पैम्बा (2,460 स्कै.कि.मी.) के तट से दूर स्थित टापू।
विवरणः संवेदनशील अन्तर सामुदायिक सन्तुलन और देश की राजनैतिक स्थिरता को सच्चा नहीं माना जा सकता। प्रार्थना करें कि शासन बुद्धिमान हो तथा निष्पक्ष हो और सामुदायिक मेल तथा धार्मिक स्वतन्त्रता जंजीबार तथा मुख्य प्रदेश दोनों स्थानों में ही बनी रहे। प्रमुख चर्चों का विकास अच्छा रहा है पर यह अपूर्ण है। लूथरन तथा एगलीकन चर्चों में पुनःजीवन की गतिविधियों ने पारम्परिक धार्मिक सभाओं में जीवन का संचार किया है। अधिकांश बिशप इवैन्जलिकल है। पर फिर भी, ऐसी समस्याऐं हैं जो संस्था और आध्यात्मवाद को सीमित कर देते हैं। मसीहियों में बड़ी उन्नति को वास्तविक आवश्यकताओं को धुंधला नहीं करना चाहिये।

## टोगो

जनसंख्याः 12.8 मिलियन
जाति समूहः 93
प्रधान धर्मः मसीही
भाषाएंः फ्रैन्च
गैर मसीहीः 49.9%
मसीहीः 50.1%

क्षेत्रफलः 56,785 स्कै.कि.मी. एटलांटिक तट केवल 56 कि.मी. लम्बा है परन्तु छोटा प्रदेश सहेल की ओर 540 कि.मी. तक फैला है।

विवरणः चुनावों की चालबाजी, व्यापक मानवीय अधिकारों का दुरूपयोग और भय तथा निर्धनता द्वारा किसी भी फूट का दमन के द्वारा ही आयाडेमा का शासन बना हुआ हे। दक्षिणीय जातियाँ राजनैतिक रूप से अधिकारहीन हैं। प्रार्थना करें कि वह ऐसे लोगों से बदल दिये जायें जिनमें परमेश्वर का भय है, जो संविधान का आदर करते हैं और समाज के हर वर्ग के लोगों के साथ न्याय से व्यवहार करते हों। टोगो में यीशु मसीह के पूरे संघ ने, देश के तथा देश से बाहर के हर भाग में पहुंचने के लिये एक सामान्य भविष्य निरूपण के लिये एकत्रित होना आरम्भ कर दिया है। अविश्वास तथा पंथवाद के अवरोधक तोड़े जाने के लिये और एक महान आयोग की दृढ़ता से स्थापना के लिये प्रार्थना करें। बाइबल का अनुवाद एक बड़ी चुनौती है। पूरी बाइबल का काबीय भाषा – स्कूलों में प्रयोग होने वाली दो स्थानीय भाषाओं में से एक, में अनुवाद का कार्य पूरा होने के लिये विशेष रूप से प्रार्थना करें। कम से कम 6 और सम्भवतः 12 भाषाओं में नये नियम का अनुवाद होना चाहिये।

## ट्युनीशिया

जनसंख्याः 9.5 मिलियन जाति समूहः 43
प्रधान धर्मः मुस्लिम भाषाएंः अरबी, फ्रैन्च
गैर मसीहीः 99.6% मसीहीः 0.4%
क्षेत्रफलः 154,530 स्कै.कि.मी. उत्तर में पर्वतीय तथा कृषक, दक्षिण में सहारा मरूस्थल।
विवरणः आरम्भिक शताब्दियों में कलीसिया बहुत व्यापक था। कलीसिया ने टर्टुलियन तथा साइपरियन जैसे नेता दिये हैं। फूट, विधर्म, स्थानीय कलीसिया में गहराई से जुड़ने में विफलता या स्थानीय भाषाओं में बाइबल का अनुवाद करने में विफलता, विदेशी आक्रमण और अंततः इस्लाम, इन सबसे इसका अंत हुआ। आज लगभग 200 वचनबद्ध स्वदेशी विश्वासी हैं पर इनमें से आधे ही आराधना के लिये नियमित रूप से मिलते हैं। प्रार्थना करें कि एक सजीव तथा उन्नतिशील कलीसिया फिर से इस देश में वास्तविकता बन सके। अरबी संसार में टुनीसिया प्रतिशील तथा स्वच्छंद समाजों में से एक है। प्रार्थना करें कि धार्मिक दिखावे का खालीपन, आध्यात्मिक उदासीनता, और भौतिकवाद अनावृत हो सके और यीशु मसीह के लिये आत्मिक भूख से बदल सके।

## यूगांडा

जनसंख्याः 21.7 मिलियन जाति समूहः 74
प्रधान धर्मः इसाई भाषाएंः अंग्रेजी
गैर मसीहीः 12% मसीहीः 88%
क्षेत्रफलः 241,040 स्कै.कि.मी. अधिकांश भूमि उपजाऊ है।
विवरणः अमीन तथा ओकोट के वर्षों के विनाश के साथ अनियन्त्रित आतंक, हत्या, प्रजातीय युद्ध तथा भ्रष्टाचार ने राष्ट्र के फैलाने में तीव्रता दी है। इसको ठीक होने में कई वर्ष लग जायेंगे। अन्तर्राष्ट्रीय सैन्ट्रल अफ्रिकन वार तथा आतंकी समूहों द्वारा तथा चोटों के संगठनों द्वारा आंतरिक लड़ाई–शान्ति के लिये प्रार्थना करें। शासन के लिये प्रार्थना करें कि यह अपना अधिकार निष्पक्ष सत्यनिष्ठा से व्यवहार में ला सके। यद्यपि संक्रमण की दर में गिरावट आई है परिवारों तथा समुदाय के लिये यह विनाश बहुत अधिक है। शायद 3 मिलियन इस बीमारी के साथ जी रहे हैं। एड्स तथा युद्ध के लगभग 2 मिलियन अनाथ हैं। शरणार्थियों को कई शिविरों में रखा गया है – 100,000 से अधिक सूडानी उत्तर में, कई कौनगोलिस पश्चिम में और रवान्डन्स को दक्षिण–पश्चिम में। कई यूगान्डा शरणार्थी भी हैं जिन्हें एल आर ए प्रभावित क्षेत्रों में रखा गया है। देश के लिये यह एक फालतू बोझ है।

## जाम्बिया

जनसंख्याः 9.1 मिलियन
जाति समूहः 96
प्रधान धर्मः मुस्लिम
भाषाएंः बेन्बा, न्यानजा
गैर मसीहीः 15%
मसीहीः 85%
क्षेत्रफलः 752,614 स्कै.कि.मी. मध्यवर्ती, वनाच्छादित अफ्रीकी देश।
विवरणः 1991 में अपने उद्धारन में राष्ट्रपति चिलूबा ने जाम्बिया को एक मसीही राष्ट्र के रूप में परमेश्वर को समर्पित किया था। सार्वजनिक जीवन में परिश्रम निराशाजनक रहा है शासन में काफी लोग भड़कीले तरीके से धनी हो गये जबकि आधी जनसंख्या भीषण गरीबी में रहती है। प्रार्थना करें कि परमेश्वर के वचन द्वारा ह्रदय, विश्व दृष्टिकोण तथा संरचना नरम हो जाये प्रजातन्त्र का अपमान न हो, मसीहीयत को हीन न बनाया जाये या तिरस्कार न किया जाये। व्यापक रूप से फैली निर्धनता और अर्थव्यवस्था में कमी के कारण उपद्रव या इससे भी बुरा हो सकता है। प्रार्थना करें कि शासन इन बड़ी समस्याओं पर ईमानदारी तथा साहस के साथ काम पा सकें। विदेशी ऋण संसार के उच्चतम ऋणों में से हैं और एड्स की आर्थिक आपदा (महामारी) संसार की सबसे खराब वस्तुओं में से एक है। परमेश्वर का आत्मा देश में काम कर रहा है और कई लोग, शहरी क्षेत्रों में, शिक्षित लक्ष्यों में और अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों में यीशु मसीह में व्यक्तिगत विश्वास ग्रहण कर रहे हैं।

## ज़िम्बाबवे

जनसंख्याः 11.6 मिलियन जाति समूहः 42
प्रधान धर्मः इसाई भाषाएंः अंग्रेजी
गैर मसीहीः 29% मसीहीः 71%
क्षेत्रफलः 390,759 स्कै.कि.मी. दक्षिण–मध्य अफ्रीका में एक अवरूद्ध राज्य।
विवरणः ज़िम्बाबवे को एक ऐसे शासन की आवश्यकता है जो देश की सेवा करे संचालन करने वालों की नहीं। शीघ्र होने वाले अहिंसक परिवर्तन के लिये प्रार्थना करें और इस देश को एक सामाजिक और आर्थिक अगाध कुंड के कगार पर से वापस लाने के लिये प्रार्थना करें। कुपोषण, खाने की कमी की धमकी, और बेरोज़गारी तेजी से बढ़ रही है और देश एक विस्फोटक स्थिति में है। जिम्बावे में एड्स की आपदा संसार में सबसे बुरी स्थितियों में से एक है। शासन की उपेक्षा, स्वास्थ्य सम्बन्धी सम्पदा की कमी, व्यभिचार, और प्रबल मापदण्डों का सामना करने में अनिच्छा का समिश्रण ही मूल कारण है। 2000 तथा 25% से ज्यादा वयस्कों में एड्स के जीवणु का, अनाथों की संख्या बढ़कर 1 मिलियन (जनसंख्या का 9%) हो गई है। एक सप्ताह में मृत्यु दर बढ़कर 900 हो गई है। और अर्थ व्यवस्था तथा जीवन प्रत्याशा में कमी आई है। देश के मुद्दा को संकल्प की आवश्यकता है। 4000 खेत, 90% कृषि सम्बन्धी निर्यात का साधन तथा भोजन का साधन बने, रोजगारी व घर प्रदान किये।